UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-257 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) रविवार 30 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी में 80 सीटों का सर्वे, जानिए किसको मिल रही कितनी सीटें

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होता दिख रहा है। इंडिया टुडे और सी-वोटर के अगस्त 2026 मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के लिए चिंता बढ़ाने वाले आंकड़े पेश किए हैं।

ताज़ा सर्वे के अनुसार, अगर आज लोकसभा चुनाव होते हैं तो उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से विरोधी दल इण्डिया ब्लॉक सत्ताधारी एनडीए गठबंधन पर बढ़त बनाता नजर आ रहा है। अगस्त 2026 के सर्वे में 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश में इण्डिया ब्लॉक को 41 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है, जबकि बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को 38 सीटों पर जीत मिल सकती है। यह आंकड़ा इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि जनवरी 2026 के सर्वे में तस्वीर बिल्कुल उलट थी। उस समय एनडीए को 48 सीटें और इंडिया ब्लॉक को सिर्फ 31 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। महज कुछ महीनों के भीतर एनडीए की झोली से 10 संभावित सीटें कम हुई हैं, जबकि इंडिया ब्लॉक ने 10 सीटों की बढ़त हासिल की है। वोट प्रतिशत के मामले में एनडीए अभी भी मामूली बढ़त बनाए हुए है। सर्वे के मुताबिक एनडीए को 42 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है, जिसमें जनवरी के मुकाबले 5 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है। दूसरी ओर, इंडिया ब्लॉक को 40 फीसदी वोट शेयर मिलने का अनुमान है, जो जनवरी से 2 फीसदी कम है। वोट शेयर अधिक होने के बावजूद सीटों के समीकरण में इंडिया ब्लॉक आगे निकल रहा है। अगर इसकी तुलना 2024 के आम चुनाव के नतीजों से करें, तो 2024 में इंडिया ब्लॉक ने 43 सीटें जीती थीं और एनडीए के खाते में 36 सीटें आई थीं। अगस्त का अनुमान 2024 के काफी करीब है, लेकिन जनवरी की तुलना में आया बदलाव राज्य के राजनीतिक माहौल की ओर इशारा कर रहा है। सर्वे में अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े दान विवाद का जिक्र भी किया गया। इसमें 47 फीसदी उत्तरदाताओं की राय थी कि इस विवाद का असर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार, दोनों की छवि पर पड़ा है। वहीं 8 फीसदी ने माना कि असर केवल केंद्र पर हुआ और 7 फीसदी ने इसे राज्य सरकार तक सीमित बताया। हालांकि, चुनाव विश्लेषक और सी-वोटर के संस्थापक यशवंत देशमुख का मानना है कि यूपी में माहौल बदलने की मुख्य वजह सिर्फ राम मंदिर से जुड़ा विवाद नहीं है। उनके मुताबिक यूजीसी के नए इक्विटी नियमों को लेकर पैदा हुई चिंताएं एक बड़ा फैक्टर हैं। इन नियमों ने उन अभिभावकों को चिंतित किया है जिनके बच्चे उच्च शिक्षा और रोजगार की तैयारी कर रहे हैं। युवाओं के भविष्य और करियर से जुड़ी यह आशंका भी जनमत में आए इस बदलाव का एक कारण मानी जा रही है। भले ही उत्तर प्रदेश में एनडीए के लिए मुकाबला कड़ा दिख रहा हो, लेकिन देश स्तर पर बीजेपी नीत गठबंधन बहुमत के आंकड़े से आगे है। अगस्त 2026 के राष्ट्रीय अनुमान में एनडीए को 326 सीटें मिलने का अनुमान है, जो हालांकि जनवरी के 352 सीटों के अनुमान से 26 सीटें कम है। यह सर्वे 1 जुलाई से 25 अगस्त के बीच 25,184 लोगों से सीधी बातचीत पर आधारित है। साथ ही इसमें पिछले छह महीनों में सी-वोटर द्वारा किए गए 91,795 ट्रैकिंग इंटरव्यूज के आंकड़ों को भी शामिल किया गया है। चुनावी राजनीति में मुद्दे और समीकरण समय के साथ बदलते रहते हैं, लेकिन फिलहाल यह सर्वे उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावी मुकाबले के दिलचस्प होने का साफ संकेत दे रहा है।

रक्षाबंधन के दिन बहला-फुसलाकर कमरे में ले गया...

ग्रेटर नोएडा में 6 साल की बच्ची के हत्या से मचा था बवाल, अगले ही दिन हो गया बलराज का एनकाउंटर!

(यंग भारत न्यूज)

नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में 6 साल की मासूम बच्ची की बेरहमी से हत्या करने वाले दरिंदे बलराज का अंत पुलिस मुठभेड़ में हो गया है. रक्षाबंधन के दिन घर के बाहर से मासूम को फुसलाकर अपने कमरे में ले जाने, उसकी जघन्य हत्या करने और फिर शव को बोरी में भरकर ठिकाने लगाने वाले आरोपी को पुलिस एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया है.

सीसीटीवी फुटेज में आरोपी बलराज मासूम के शव को बोरी में भरकर ले जाता हुआ कैद हुआ था जिसके आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान की थी. इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में लोगों के बीच काफी गुस्सा है. वारदात ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र स्थित एक गांव की है. शुक्रवार को पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 6 साल की मासूम बच्ची अचानक घर से लापता हो गई है. मामला एक नन्हीं बच्ची से जुड़ा होने के कारण पुलिस हरकत में आई और तुरंत 5 अलग-अलग टीमों का गठन कर बच्ची की तलाश शुरू की गई. पुलिस ने जब गांव और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो एक दिल दहला

देने वाला सच सामने आया. फुटेज में एक संदिग्ध युवक मासूम बच्ची के शव को प्लास्टिक की बोरी में भरकर ले जाता हुआ साफ नजर आया. परिजनों और गांव वालों के मुताबिक आरोपी पड़ोस में ही रहता था और लेबर चौक पर मजदूरी करता था. रक्षाबंधन के दिन जब परिवार के सदस्य काम से बाहर गए हुए थे और मासूम मस्जिद के पास अकेली थी तब आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया.आरोपी ने वहां मासूम की हत्या कर दी और उसके शव को एक बोरी में बंद कर दिया. इसके बाद वह बेखौफ होकर बोरी को कंधे पर लादकर पास के खेतों की तरफ ले गया और शव को वहीं फेंक दिया. परिजनों का आरोप है कि बच्ची के साथ रेप के बाद हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है. सीसीटीवी फुटेज में आरोपी की करतूत उजागर होने के बाद हड़कंप मच गया. बच्ची का शव खेत से बोरी के अंदर बरामद हुआ. रोते-बिलखते परिजनों ने आरोपी को तुरंत सख्त से सख्त सजा देने की मांग की थी. बच्ची के परिजनों का कहना था कि उन्हें अपनी मासूम बच्ची की इस दर्दनाक मौत पर हर हाल में इंसाफ चाहिए. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की और उसकी तलाश में ताबड़तोड़ दबिश देना शुरू किया. इसी दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई. मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से आरोपी ढेर हो गया. इससे पहले पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लैब टीम के साथ घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए थे.डीसीपी सेंट्रल नोएडा के मुताबिक, बच्ची के शव का डॉक्टरों के पैनल द्वारा वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया जा रहा है जिससे मौत के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके.

योगी से बैर नहीं, बीजेपी विधायकों की खैर नहीं; पंजाब में भगवंत मान का क्या हाल? सर्वे ने बताया

(यंग भारत न्यूज)

2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड का राजनीतिक माहौल गरमाने लगा है। चुनाव में भले ही अभी समय बाकी हो लेकिन एक सर्वे में जनता के मिजाज को समझने की कोशिश की गई है। इसके नतीजे काफी चौंकाने वाले सामने आए हैं। तीनों राज्यों में जनता अपनी-अपनी राज्य सरकारों और मुख्यमंत्रियों के कामकाज से उतनी नाराज नहीं है जितनी कि अपने क्षेत्र के मौजूदा विधायकों से असंतुष्ट है। वोट वाइब और इंडिया टुडे-सीवोटर मूड ऑफ द नेशन के सर्वे ने इस ओर इशारा किया है। सत्तारूढ़ दलों के लिए राहत की बात यह है कि विधायकों के खिलाफ इस गुस्से का सीधा नकारात्मक असर सत्तारूढ़ दलों के प्रदर्शन पर पूरी तरह नहीं पड़ा है। इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में वोट वाइब के संस्थापक अमिताभ तिवारी के हवाले से बताया है कि विधायकों से जनता की इस नाराजगी का मुख्य कारण उनका जनता की पहुंच से दूर होना है।

अमिताभ तिवारी के मुताबिक, 'आम मतदाताओं की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि चुनाव जीतने के बाद कई विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के काम परिजनों, रिश्तेदारों या दोस्तों के भरोसे छोड़ देते हैं। खुद राज्य की राजधानी में डेरा डाल लेते

हैं। जनप्रतिनिधियों की इस आदत और जनता के काम न हो पाना ही इस आक्रोश की मुख्य वजह है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तीनों राज्यों में लगभग 10 से 15 प्रतिशत मतदाता केवल प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि और उसके व्यवहार को देखकर वोट करते हैं। ऐसे में आगामी 2027 के चुनावों में यह क्षेत्रीय असंतोष टिकट वितरण की रणनीति में सबसे बड़ा निर्णायक कारक बनने वाला है। उत्तर प्रदेश में विधायकों के प्रति जनता की नाराजगी सबसे ज्यादा देखने को मिली है। सर्वे में शामिल करीब 49 प्रतिशत लोगों ने अपने क्षेत्र के मौजूदा विधायक के कामकाज पर नाखुशी जताई है, जबकि केवल 27.9 प्रतिशत लोग ही अपने विधायक से संतुष्ट दिखे। वहीं, जब मुख्यमंत्री को लेकर सवाल पूछे गए तो 43.3 प्रतिशत लोगों ने योगी आदित्यनाथ को पसंद किया। अखिलेश यादव 35.5 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की साख बेहतर स्थिति में बनी हुई है। उत्तर प्रदेश में 41.8 प्रतिशत लोगों ने सरकार के कामकाज को सराहा है। विधानसभा चुनाव में वोटिंग ट्रेंड की बात करें तो भाजपा नीत एनडीए और समाजवादी पार्टी (सपा) गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर दिख रही है। भाजपा गठबंधन को 41.8% और सपा गठबंधन को 38.7% वोट मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं जब लोगों से पूछा गया कि वे किसे जीतते हुए देखते हैं, तो मुकाबला बिल्कुल बराबर पर रहा। सर्वे में यह रोचक तथ्य भी सामने आया है कि 45 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता जहां योगी आदित्यनाथ और भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़े हैं, वहीं युवा मतदाताओं का झुकाव सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तरफ अधिक देखा जा रहा है। पंजाब में भी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के विधायकों के खिलाफ असंतोष साफ नजर आ रहा है। जहां 45.3 प्रतिशत लोग अपने क्षेत्र के विधायकों से असंतुष्ट हैं, वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार के काम से 40 प्रतिशत लोग संतुष्ट नजर आ रहे हैं। भगवंत मान 40.1% के साथ राज्य में मुख्यमंत्री पद की पहली पसंद हैं। कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी 20.6% के साथ दूसरे स्थान पर। विधानसभा चुनाव के लिहाज से आम आदमी पार्टी 34 प्रतिशत वोट शेयर के साथ सबसे आगे है, जबकि कांग्रेस 30.2 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। भाजपा को 12.2% और शिरोमणि अकाली दल को 11.3% समर्थन मिलता दिख रहा है। पंजाब के मतदाताओं की खासियत यह है कि यहां 71.2 प्रतिशत लोगों ने अभी से तय कर लिया है कि वे किसे वोट देंगे, जो तीनों राज्यों में सबसे अधिक स्थिर मतदाता आधार को दर्शाता है।

कसाईनुमा मौत देने वाला वो 'राक्षस', जिसने 8000 मुस्लिमों की करवाई थी हत्या, महिलाओं से बलात्कार के लिए खुलाया रेप हाउस, कहानी रात्को म्लादिच की

(यंग भारत न्यूज)

गर्दन मोटी और मुंह से सिर्फ मारने की बातें. 1990 के दशक में उसने कत्लेआम का ऐसा तांडव मचाया कि उसे याद कर आज भी लोग सिहर जाते हैं. खून से लाल सड़कें, कटे अंग और महिलाओं संग क्रूरता के किस्से आज भी इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं.हम बात कर रहे हैं मानवता के खिलाफ अपराध के दोषी और बोस्निया के पूर्व सैन्य जनरल रात्को म्लादिच की. उसकी 84 साल की उम्र में गुरुवार को हेग में ह्र डिटेंशन यूनिट में मौत हो गई. उन्होंने अपनी उम्रकैद की सजा के 15 साल पूरे कर लिए थे.

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उसे साल 2017 में अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने दोषी ठहराया था. बोस्निया का कसाई कहे जाने वाले म्लादिच को इंटरनेशनल कोर्ट ने 8 हजार मुस्लिमों के नरसंहार के जुर्म में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी.

जुल्म की दास्तां से भरा है इतिहास

1992 से लेकर 1995 के बीच हुए बोस्नियन वॉर में बेरहमी से मुस्लिम पुरुषों की हत्या की गई और हजारों महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ. उसने अपने लोगों से झूठ बोला, उनको बहकाया-भड़काया. नरसंहार को वह 'ग्रेटर सर्बिया' के ऐतिहासिक मकसद को पूरा करने का एक मौका समझता था. यह एक ऐसा खौफनाक मकसद था, जिसे उसने सोची-समझी क्रूरता के साथ पूरा करने की कोशिश की. इसी वजह से वह यूरोप में हिटलर के 'थर्ड राइख' के बाद हुए सबसे भयानक अत्याचारों के लिए जिम्मेदार माना जाता है. हालांकि, उसकी कट्टरता ने उसे अपने लोगों के बीच एक हीरो बना दिया था. उसने लोगों से कहा था कि उनके मुस्लिम पड़ोसी सर्ब लोगों को सूली पर चढ़ाने, उन्हें जिंदा जलाने और उनकी आंखें फोड़ने की साजिश रच रहे थे.

कहां से शुरू हुई कहानी

रात्को म्लादिच 12 मार्च 1942 को साराजेवो के पास पहाड़ों में बसे एक छोटे से गांव में पैदा हुआ था. उस समय यह इलाका जर्मनी के कंट्रोल वाले 'इंडिपेंडेंट स्टेट ऑफ क्रोएशिया' का हिस्सा था. हालांकि, वह हमेशा खुद को एक साल छोटा बताता था. दो साल बाद, नाजी-समर्थक क्रोएशियाई राष्ट्रवादियों के खिसाफ जोसिप ब्रोज टीटो (यूगोस्लाविया के पूर्व राष्ट्रपति) के छापामार सैनिकों (पार्टिसन्स) की तरफ से लड़ते हुए उसके पिता की मौत हो गई. म्लादिच की परवरिश जंग के बाद बने नए यूगोस्लाविया में हुई. कुछ समय तक टिन का काम सीखने के बाद, उसने फौज में जाने का मन बना लिया. 1965 में ऑफिसर स्कूल से अपनी ट्रेनिंग पूरी की. आगे

बढ़ने की ललक उसमें हमेशा से थी, लिहाजा सैनिक के तौर पर खुद को साबित करते हुए, वे तेजी से आगे बढ़ा और मैसेडोनिया व कोसोवो में सेना की टुकड़ियों की कमान संभाली.

बहादुरी के मामले में बेपरवाही की हद

बीबीसी के मुताबिक, 1980 में जब टीटो की मौत हुई तो वहां से यूगोस्लाविया के अंत की शुरुआत हो गई. यह हमेशा से विरोधी गुटों और दबी हुई नफरत का एक ऐसा संघ था, जिसमें कभी भी शांति नहीं रही. जून 1991 में, क्रोएशिया ने आजादी का ऐलान किया. उसे फिर से कंट्रोल की कोशिश के लिए म्लादिच को यूगोस्लाविया सेना के साथ भेजा गया, जहां उसने गजब की बहादुरी दिखाई. कभी-कभी यही बहादुरी बेपरवाही की हद तक पहुंच जाती थी. वह सैनिकों के साथ हमेशा मोर्चे की खाइयों और बारूदी सुरंगों को हटाने के अभियानों का खुद आगे रहता था. उनके सैनिक उसे बहुत मानते थे और उसके प्रति सैनिकों की निष्ठा लगभग धार्मिक श्रद्धा जैसी थी. जब युद्ध बोस्निया तक फैला, तो उनकी सेना ने अपनी वर्दी बदल ली और अलग हुए 'रिपब्लिका सर्पस्का' का समर्थन करने की कसम खाई. वह मुस्लिम आबादी को हमलावर समझता था और इसे ऑटोमन तुर्कों की ओर से पुराने समय में किए गए कब्जे का नतीजा मानता था.

मुस्लिमों से बढ़ती चली गई नफरत

यहीं से उसकी नफरत बढ़ती चली गई और म्लादिच ने कसम खाई कि वह उस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करेगा, घुसपैठियों को बाहर निकालेगा और फिर अपने सपनों का एक ऐसा देश बनाएगा जो नस्लीय रूप से साफ हो.इसके बाद बोस्निया की राजधानी साराजेवो की घेराबंदी शुरू हुई. इसकी हिफाजत सर्ब, क्रोएट और बोस्नियाक (बोस्नियाई मुसलमान) लोगों की मिली-जुली सेना कर रही थी. आस-पास की पहाड़ियों पर अपनी सेना तैनात करके की गई यह घेराबंदी 1,425 दिनों तक चली. आधुनिक युद्ध के क्रूर इतिहास में यह किसी शहर की सबसे लंबी घेराबंदी थी. 22 जुलाई 1993 को, वहां के डरे-सहमे लोगों पर लगभग 4,000 गोले बरसाए गए. घेराबंदी खत्म होने तक, गोलाबारी या स्नाइपर की गोली से 13,000 लोग मारे जा चुके थे. शहर की लगभग हर इमारत या तो क्षतिग्रस्त या पूरी तरह तबाह हो गई थी.

''जब तक रुकने का ऑर्डर ना दूं, गोलियां चलाते रहो'

राजधानी के आस-पास के गांवों में बहुत सारे मुस्लिमों को मार दिया गया या जेल कैंप में ले जाया गया. हजारों औरतों के साथ बेरहमी से रेप किया गया. जनरल म्लादिक के हेडक्वार्टर से आई एक खबर में उसका कसाईनुमा रवैया साफ दिख रहा था. उसमें लिखा था, 'जब तक मैं तुम्हें रुकने का ऑर्डर न दूं, तब तक धीरे-धीरे गोली चलाओ. मुस्लिम इलाकों को टारगेट करो. वहां ज्यादा सर्ब नहीं रहते. उन पर तब तक गोली चलाओ जब तक वे पागल होने की कगार पर न पहुंच जाएं.' अपनी सेना की ताकत का मजा लेते हुए उसने रेडियो से ऑर्डर दिए. मैसेज जानबूझकर बिना लिखे छोड़े गए ताकि उन्हें दुनिया भर में सुनाकर ब्रॉडकास्ट किया जा सके. जब उसके सैनिकों ने एक इलाके पर निशाना साधा, तो वह चिल्लाया-'उनके दिमाग जला दो'. सैनिकों ने उसका आदेश ऐसा माना 'जैसे भगवान ने दिए हों.'

बेटी ने कर ली थी आत्महत्या

रात्को वीकेंड पर अपने परिवार से मिलने जाता था. यहां उसकी पत्नी और दो बच्चे बेलग्रेड में सुरक्षित रहते थे. वे साथ में बोर्ड गेम्स खेलते थे और जान-बूझकर राजनीति पर बात नहीं करता था. लेकिन उनकी 23 साल की बेटी एना को एक युवा डॉक्टर और मानवाधिकार कार्यकर्ता से प्यार हो गया था. उस डॉक्टर ने उसके सामने एक शर्त रखी कि या तो अपने पिता को छोड़ दो या फिर मुझसे कभी मत मिलना. प्यार के सपनों और परिवार के रिश्तों के बीच फंसी एना ने डिस्प्ले केस से अपने पिता की पसंदीदा बंदूक निकाली. कुछ ही पल बाद, उसने ट्रिगर दबा दिया. म्लादिच अपनी बेटी की आत्महत्या की बात स्वीकार नहीं कर पा रहा था. इसके बजाय, उसने अजीबोगरीब साजिश की थ्योरीज पर यकीन किया, जिनमें इस त्रासदी के लिए उसने खुद को छोड़कर बाकी सबको दोषी ठहरा दिया. आखिरकार, 1995 में नाटो का सब्र जवाब दे गया. उसने सारायेवो के आसपास म्लादिच के ठिकानों पर लड़ाकू विमानों और क्रूज मिसाइलों से हमले किए, जिनका असर बहुत विनाशकारी रहा.

पति-प्रेमी के बीच बांटी रात-दिन की ड्यूटी! सीतापुर की महिला बोली- दोनों के साथ रहूंगी, थाने में पहुंची 'टाइम-टेबल वाली लव स्टोरी'

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के सीतापुर से रिश्तों से जुड़ा एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। यहां एक विवाहित महिला अपने पति के साथ-साथ अपने प्रेमी के साथ भी रहने की जिद पर अड़ गई। चौंकाने वाली बात यह बताई जा रही है कि महिला के पति को भी उसके प्रेमी के साथ रहने पर आपत्ति नहीं है। मामला परिवार के दूसरे सदस्यों के विरोध के बाद पुलिस तक पहुंच गया। मामला महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र का बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, महिला का किसी दूसरे युवक के साथ प्रेम संबंध था। जब इस रिश्ते की जानकारी उसके पति को हुई तो उसने पत्नी का विरोध करने के बजाय उसके प्रेमी को स्वीकार करने की बात कही। महिला भी दोनों के साथ रहने की इच्छा जताती रही। हालांकि, परिवार के अन्य सदस्यों को यह व्यवस्था मंजूर नहीं थी।

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात पति का रुख बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पति अपनी पत्नी के साथ उसके प्रेमी को भी स्वीकार करने के लिए तैयार था। महिला भी पति

और प्रेमी दोनों के साथ एक ही घर में रहने की इच्छा जता रही थी। परिवार के दूसरे सदस्यों ने जब इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ता चला गया। आखिरकार मामला पुलिस के पास पहुंच गया और तीनों पक्षों को थाने बुलाया गया। पुलिस ने महिला, उसके पति और प्रेमी को बैठाकर मामले को समझने और आपसी सहमति बनाने की कोशिश की। हालांकि, कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को उसकी इच्छा के खिलाफ कहीं भेजने का पुलिस के पास अधिकार नहीं है। मामले में संबंधित पक्षों की स्थिति और कानूनी पहलुओं के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महिला और उसके पति के दो बच्चे हैं। खबर के अनुसार, बच्चों को भी मां के इस फैसले पर कथित तौर पर कोई आपत्ति नहीं थी। हालांकि, परिवार के दूसरे सदस्यों के विरोध के कारण विवाद खड़ा हुआ। यह मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे रिश्तों का बेहद असामान्य मामला बता रहे हैं। आपके दिए गए सोशल मीडिया पोस्ट में इस मामले को एक कथित 'टाइम-टेबल' के तौर पर पेश किया गया है-यानी पति और प्रेमी के साथ रहने को लेकर अलग-अलग समय तय होने की बात कही गई है। हालांकि, उपलब्ध मुख्यधारा की रिपोर्ट में इस तरह के किसी औपचारिक 'टाइम-टेबल' की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इस हिस्से को तथ्य के बजाय सोशल मीडिया पर किए गए दावे के रूप में देखना उचित होगा। पति-पत्नी और प्रेमी के बीच इस तरह का विवाद पुलिस के लिए भी सामान्य घरेलू विवादों से अलग है। पुलिस के सामने मुख्य सवाल यह है कि संबंधित वयस्क अपनी इच्छा से क्या निर्णय लेना चाहते हैं और परिवार के अन्य लोगों की आपत्ति किस प्रकृति की है। मीडिया रिपोर्ट में महमूदाबाद के इंस्पेक्टर भानु प्रताप सिंह के हवाले से कहा गया है कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस किसी पक्ष को जबरन कहीं भेज नहीं सकती ।सीतापुर की यह घटना अब सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बनी हुई है। पति का पत्नी के प्रेमी को स्वीकार करना और महिला का दोनों के साथ रहने पर अड़े रहना इस पूरे मामले को सामान्य वैवाहिक विवादों से बिल्कुल अलग बनाता है। हालांकि सोशल मीडिया पोस्ट में कहानी को और ज्यादा सनसनीखेज अंदाज में पेश किया गया है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्टों के आधार पर इतना जरूर सामने आता है कि महिला अपने पति और प्रेमी दोनों के साथ रहने की इच्छा जता रही थी और परिवार के विरोध के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। फिलहाल इस मामले में किसी आपराधिक घटना की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए सोशल मीडिया पर किए जा रहे अतिरिक्त दावों को तथ्य मानने से पहले आधिकारिक पुलिस जानकारी का इंतजार करना जरूरी है।

बेटे को हो गया 'मम्मी' से प्यार मां थी भागने को तैयार कहा- चलो चलते हैं! फिर रात के अंधेरे में.

(यंग भारत न्यूज)

गाना सुना है आपने... 'जब प्यार किया तो डरना क्या?' सुना तो जरूर होगा, लेकिन इतना निडर होना भी सही नहीं होता ना कि अपनी मां को ही भगा कर ले जाओ. जी हां, सही पढ़ा आपने हरियाणा में एक बेटा प्यार में ऐसा पड़ा कि अपनी मां को ही भगाकर ले गया और बेचारे पिता के सारे अरमान टूट गए. दरअसल, मामला हरियाणा के नूंह का है. ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। यहां के बासदल्ला गांव के रहने वाले रामकिशन पुत्र कन्हैया की शादी लगभग 18 साल पहले फिरोजाबाद से हुई थी. पहली पत्नी से उनके एक बेटा हुआ था. लेकिन कुछ साल पहले उसकी पत्नी की मौत हो गई. तीन साल बाद रामकिशन ने सोहना से दूसरी शादी कर ली. सोहना और रामकिशन की शादी को करीब 15 साल बीत गए थे. वहीं सोहना से रामकिशन की एक बेटी भी हुई.

रामकिशन की पहली पत्नी का लड़का बड़ा होकर जैसे तैसे अपने पिता का पता लगाकर पुन्हाना पहुंचा. इस बीच वह तीन महीने तक अपने पिता और सौतेली मां के साथ रहा. इस दौरान नाबालिग बेटे और सौतेली मां में प्रेम संबंध बन गए. वे इतने करीब आ गए कि दोनों ने घर से भागकर शादी कर लेने का फैसला किया और रातों रात घर से भाग गए. वहीं इस बात की भनक रामकिशन को नहीं लगी. दोनों लवर घर से गहनें और कई कीमती सामान लेकर फरार हो गए और कोर्ट में शादी कर ली. उसकी पत्नी जाते-जाते 30 हजार रुपये नकद, चांदी की पायजेब, कानों के सोने के कुंडल, हाथ फूल और चांदी की तगड़ी भी ले गई है. युवक का पिता, पत्नी और बेटे की तलाश में करीब 3 महीने से पुलिस के चक्कर काट रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है. जिसके बाद पीड़ित ने सीएम विंडो के मार्फत मुख्यमंत्री को शिकायत भेज कर दोनों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है. पीड़ित का कहना है कि पहले तो उनका बेटा अपनी मां के पैर छूता था लेकिन दोनों में पता नहीं कब प्यार हो गया और देखते ही देखते उसने इस वारदात को अंजाम दे दिया.

एक एकड़ घर में रहते हैं 90 लोग, 10 चूल्हों पर बनता है सुबह-शाम खाना, इस एक काम के सहारे चलता है घर

(यंग भारत न्यूज)

2006 में आई चुप-चुप के फिल्म में राजपाल यादव का वो डायलॉग याद है? जिसमें वो कहते हैं कि 'इसे घर क्यों कहते हैं जिला घोषित क्यों नहीं कर देते'। वैसे ही इन दिनों अगर राजपाल यादव फरीदाबाद के पलवली में रहने वाली भारद्वाज फैमली के बारे में सुन रहे होंगे तो यही डायलॉग मार रहे होंगे। आपको बता दें कि इस परिवार में चार पीढियों के कुल 90 लोग हैं और सारे के सारे एक ही घर में रहते हैं। ऐसे समय में जब एक ही पीढ़ी के दो भाई घर का बंटवारा चाहते हैं उस समय में ये भारद्वाज परिवार किसी मिसाल से कम नहीं है। फरीदाबाद के पलवली गांव में करीब एक एकड़ में बने घर में रहती है भारद्वाज फैमली और कुल 90 सदस्यों की इस फैमली के मुखिया है 93 साल के छज्जूराम, जिन्होंने अपने परिवार को आजतक एक सूत्र में बांधकर रखा हुआ है। बताया जाता है कि इतना

बड़ा परिवार होने की वजह से पूरे परिवार के लिए 10 चूल्हों पर खाना बनता है। वैसे जितना बड़ा परिवार होता है परेशानियां और चुनौतियां भी उतनी ही बड़ी होती हैं। आजकल तो छोटे परिवारों में भी कुछ मामलों पर मतभेद हो ही जाता है, तो ये भारद्वाज फैमली इन मतभेदों को कैसे सुलझाती होगी? दरअसल इसका हल भी इस फैमली ने खुद ही निकाल रखा है, क्योंकि अगर यहां सदस्यों के बीच किसी बात को लेकर मतभेद हो जाता है तो सभी के बीच वोटिंग करवाई जाती है और मसले को हल कर लिया जाता है। है ना बड़ा ही कूल आईडिया! अब इतना बड़ा परिवार होगा तो उसको चलाने के लिए भी जरूर ये फैमली कोई बड़ा बिजनेस वगैरह करती होगी लेकिन वो बिजनेस क्या है ये जानने की रूचि हमें भी थी लेकिन बाद में जो पता चला उसने हमारे होश उड़ा दिए। दरअसल ये परिवार कोई एक काम नहीं करता बल्कि हर सदस्य अपने अपने सामर्थ्य से परिवार को चलाने में अपनी अपनी भूमिका निभाता है। परिवार के कुछ सदस्य बिजनेस में लगे हुए हैं, कुछ सरकारी नौकरी कर रहे हैं और कुछ कृषि में लगे हुए हैं। यहां तक की घर की बेटी रजनी भारद्वाज आईएएस अफसर हैं जो की गुड़गांव के टैक्सेशन डिपार्टमेंट में कार्यरत हैं। वहीं परिवार के बेटे दीपक और प्रशांत भारद्वाज सुप्रीम कोर्ट में वकील हैं। चूंकी इस परिवार में 90 सदस्य रहते हैं ऐसे में चुनाव के दौरान राजनैतिक दल के लोग इनके घर पर आकर ही वोट मांगते हैं। ये समाचार आप गज़ब वायरल में पढ़ रहे है। चुनाव के करीब आते ही आसपास के मोहल्ले वालों की नजर भारद्वाज फैमली पर रहती है, क्योंकि सभी मानते हैं कि जिसको ये परिवार वोट देगा वही जीतेगा। वहीं परिवार के मुखिया छज्जूराम भी कई वर्षों तक राजनीति में रहे हैं। हालांकि दीपक भारद्वाज बताते हैं कि उनके दादा छज्जूराम ने ब्लॉक समिति के चेयरमैन बनने के ऑफर को भी ठुकरा दिया था क्योंकि हमेशा से ही उनके लिए परिवार को जोड़कर रखना और बच्चों को शिक्षित करना पहली प्राथमिकता रही।

'बेवफा पत्नी' को प्रेमी के साथ रंगे हाथों पकड़ा फिर मांग का सिंदूर धोया फिर उसी से करवा दी शादी, वीडियो देख रो देंगे आप

(यंग भारत न्यूज)

भारत की युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को तिलांजलि देते हुए नजर आ रही है। तेजी पश्चिम सभ्यता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसी का परिणाम यह है कि आजकल के समय में रिश्तों की अहमियत खत्म होती जा रही है। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की खबरें आम हो गई हैं। इसी वजह से कई घर टूट रहे हैं। ऐसे किस्से आए दिन सुनने को मिलते रहते हैं। सोशल मीडिया पर हाल ही एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जहां एक पति अपनी पत्नी को रंगे हाथों प्रेमी संग पकड़ लेता है। इसके बाद शख्स जो करता है उसके चलते यह वीडियो काफी सुर्खियों में बना हुआ है। वीडियो में पत्नी की बेवफाई से आहत होकर शख्स पहले तो पानी फेंककर पत्नी की मांग से अपना सिंदूर हटा देता है। इसके बाद वो प्रेमी से उसकी मांग में सिंदूर भरवाता है।

वायरल वीडियो कहां का है? इसको लेकर ज्यादा जानकारी नहीं मिली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शख्स अपनी पत्नी को उसके बॉयफ्रेंड संग आपत्तिजनक हालात में पकड़ लेता है। उसके बाद वो अपने रिश्ते को खत्म करने का फैसला ले लेता है। वायरल वीडियो में शख्स पत्नी और उसके प्रेमी को कार से बाहर निकालता है। वो एक लोटे में पानी लाता है और पत्नी की मांग का सिंदूर हटाने लगता है। महिला यह देख हैरान रह जाती है और ऐसा करने के लिए तैयार नहीं होती। बावजूद इसके शख्स पानी से उसकी मांग में भरा अपने नाम के सिंदूर को मिटा देता है। इसके बाद वो उसके प्रेमी से महिला की मांग में सिंदूर भरने को कहता है।

'मैं शादी कर रही हूं और प्रेग्नेंट हूं...' मैसेज भेजकर गायब हुई सुशीला, फिर 2 महीने बाद नहर से मिली बेनाम लाश, लिव-इन पार्टनर निकला कातिल

(यंग भारत न्यूज)

30 जून 2026... मोबाइल पर एक मैसेज आता है 'मैं अपनी पसंद से शादी कर रही हूं और मैं प्रेग्नेंट भी हूं.' परिवार को लगा कि बेटी ने अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर ली है.लेकिन उन्हें क्या पता था कि इस मैसेज के पीछे प्यार की नहीं, बल्कि एक खौफनाक कत्ल की दास्तान छिपी है...' राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना की रहने वाली करीब 30 वर्षीय सुशीला की दर्दनाक हत्या ने राजस्थान से लेकर हरियाणा तक सनसनी फैला दी है. जो युवती नई जिंदगी के ख्वाब लेकर अपने घर से निकली थी, वह करीब 2 महीने बाद हरियाणा के झज्जर स्थित एक नहर में बेनाम लावारिस लाश बनकर मिली.

जांच में सामने आया कि नीमराना स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाली सुशीला पिछले 2 सालों से संदीप राजपूत नाम के युवक के संपर्क में थी. दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और पिछले करीब 4 महीनों से वे नीमराना में एक किराए का मकान लेकर पति-पत्नी (लिव-इन रिलेशनशिप) की तरह रह रहे थे.हालांकि, सुशीला को इस बात का पूरा अंदाजा नहीं था कि जिस संदीप पर वह भरोसा कर रही है, वह पहले से ही शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं.पुलिस जांच और आरोपी के कबूलनामे के अनुसार, 30 जून 2026 को किराए के कमरे पर किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस और विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी संदीप ने गुस्से में आकर कमरे में रखे डंडे से सुशीला के सिर पर जोरदार वार कर दिया. सुशीला लहूलुहान होकर वहीं बेहोश हो गई. इसके बाद कातिल संदीप उसे अपनी निजी कार में डालकर नीमराना के पास के जंगलों में ले गया, जहां उसने गला घोंटकर सुशीला की निर्मम हत्या कर दी.हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से संदीप ने सुशीला के शव को कार में लादा और राजस्थान की सीमा पार कर हरियाणा के झज्जर जिले में स्थित सिलानी गांव के पास 'ड्रेन नंबर 8' (नहर) में फेंक दिया और वापस फरार हो गया. 2 जुलाई को झज्जर पुलिस को नहर से एक अज्ञात युवती का शव बरामद हुआ. पहचान न होने के कारण पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर 5 जुलाई को शव का लावारिस हाल में अंतिम संस्कार कर दिया. उधर राजस्थान में परिवार सुशीला की लगातार तलाश कर रहा था. 21 अगस्त को सुशीला के मामा ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई. 30 जून को सुशीला के फोन से आए 'शादी और प्रेगनेंसी' वाले मैसेज और फोन बंद होने के बाद शक की सुई सीधे संदीप राजपूत पर जाकर टिकी. झज्जर पुलिस ने संदीप को हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने सारा सच उगल दिया. पुलिस संदीप को लेकर झज्जर पहुंची और जब अज्ञात लाश की तस्वीरें दिखाई गईं, तो परिजनों ने रोते-बिलखते हुए सुशीला की पहचान की. झज्जर पुलिस ने आरोपी संदीप राजपूत को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है. पुलिस अब मर्डर में इस्तेमाल डंडा, कार और उस मैसेज के सच का पता लगाने में जुटी है कि क्या मैसेज सुशीला ने खुद भेजा था या फिर हत्या के बाद कातिल संदीप ने गुमराह करने के लिए मैसेज टाइप किया था.

योगी सरकार के लिए खतरे की घंटी! नए सर्वे में घट गईं बीजेपी की सीटें

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में भले ही विधानसभा चुनाव में समय हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। साढ़े नौ साल से सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के बीच राजनीतिक शह-मात का खेल जारी है।

इस बीच जनता का मूड आंकने के लिए किए गए 'इंडिया टुडे और सी-वोटर' के ताजा सर्वे ने राज्य का सियासी तापमान बढ़ा दिया है। सर्वे के आंकड़ों ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है, जबकि सपा कार्यकर्ता इसे अपने पक्ष में माहौल मानकर बेहद उत्साहित हैं। 6 महीने में बदला समीकरण, भाजपा को बड़ा झटका देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा सीटें हैं, जिन्हें दिल्ली की सत्ता का प्रवेश द्वार माना जाता है। सी-वोटर के ताजा सर्वे में सवाल पूछा गया था कि अगर आज लोकसभा चुनाव होते हैं तो किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी। सर्वे के नतीजे बताते हैं कि 80 सीटों में से इंडिया गठबंधन के खाते में 41 सीटें जा सकती हैं। वहीं एनडीए को 38 सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है। सबसे चौंकाने वाली बात भाजपा के लिए जनवरी और अगस्त 2026 के आंकड़ों की तुलना है। जनवरी 2026 के सर्वे में: भाजपा को अकेले 44 सीटें मिलती दिख रही थीं। ताजा सर्वे में: भाजपा घटकर 34 सीटों पर आ गई है। महज छह महीनों के भीतर भाजपा को सीधे 10 सीटों का नुकसान होता दिख रहा है। सहयोगियों (अपना दल और आरएलडी) की 4 सीटों को जोड़ दें तो भी एनडीए 38 सीटों पर सिमटता नजर आ रहा है, जो बहुमत के आंकड़े से कम है। कांग्रेस का ग्राफ बढ़ा, सपा भी मजबूत दूसरी ओर, सपा और कांग्रेस के गठबंधन को भारी बढ़त मिलती दिख रही है। इंडिया गठबंधन की 41 अनुमानित सीटों में से सपा को 30 और कांग्रेस को 11 सीटें मिलने का अनुमान है। गौरतलब है कि जनवरी के सर्वे में कांग्रेस को महज 2 सीटें दी गई थीं, यानी 6 महीने में पार्टी को 9 सीटों का सीधा फायदा होता दिख रहा है। समाजवादी पार्टी को भी एक सीट का फायदा हुआ है। 2024 के नतीजों से तुलना 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा को 37 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली थीं (कुल 43 सीटें)। वहीं भाजपा को 33, उसके सहयोगियों को 3 (आरएलडी 2, अपना दल 1) और आजाद समाज पार्टी को 1 सीट मिली थी। ताजा सर्वे यह दिखाता है कि 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन के शानदार प्रदर्शन को भाजपा जो 'महज एक तुक्का' बता रही थी, जनता का झुकाव अब भी उसी तरफ बना हुआ है।

'मेरे साथ संबंध बनाओ, पूरा खर्च मैं उठाऊंगा'. छात्रा की आपबीती सुनकर सन्न रह गया परिवार, 4 महीने के शोषण का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

गोरखपुर में एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित यौन शोषण का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली 15 वर्षीय छात्रा ने एक निजी स्कूल के प्रबंधक के बेटे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा के मुताबिक, आरोपी करीब चार महीने तक उसका शोषण करता रहा। विरोध करने पर उसे फेल करने, बदनाम करने और गाली-गलौज करने की धमकी दी जाती थी।

मामला तब और गंभीर हो गया, जब छात्रा के मुताबिक आरोपी ने उससे हुई बातचीत का ऑडियो कथित तौर पर वायरल कर दिया। ऑडियो वायरल होने की जानकारी मिलने के बाद छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, उसकी छोटी बहन को पहले से मामले की जानकारी थी, जिसके बाद उसने छात्रा को संभाला और परिजनों को पूरी बात बताई। मामला जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर गोला थाना क्षेत्र का है। पीड़िता गोला क्षेत्र के एक निजी गर्ल्स इंटर कॉलेज में 10वीं कक्षा की छात्रा है। उसके पिता मुंबई में काम करते हैं, जबकि वह अपनी मां, बाबा और छोटी बहन के साथ गांव में रहती है। छात्रा का आरोप है कि करीब चार महीने पहले छुट्टी के बाद स्कूल प्रबंधक के बेटे प्रतीक त्रिपाठी ने उसे अपने केबिन में बुलाया। छात्रा के मुताबिक, उस समय केबिन में वह अकेला था। अंदर जाने के बाद आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की और विरोध करने पर धमकाया। छात्रा के मुताबिक, आरोपी इसके बाद भी उससे फोन पर बातचीत करता रहा। वह कथित तौर पर उसे आगे पढ़ाने और गोरखपुर शहर में पढ़ाई कराने का लालच देता था। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उससे कहता था कि अगर उसे आगे बढ़ना है और शहर में पढ़ना है तो उसके साथ संबंध बनाने होंगे। उसने उसका पूरा खर्च उठाने, कमरा दिलाने और यहां तक कि उसके बाबा से बात करने की बात भी कही। लगातार दबाव और कथित शोषण से परेशान छात्रा ने आखिरकार यह बात अपनी छोटी बहन को बताई। बहन ने उसे समझाया और भरोसा दिलाया कि वह उसके साथ है। इसके बाद छात्रा ने परिवार के सामने पूरी बात बताने का फैसला किया। लेकिन इससे पहले मामला तब

और बिगड़ गया जब उसने आरोपी से मिलने से इनकार कर दिया। पीड़िता के मुताबिक, एक दिन आरोपी ने उसे दोबारा मिलने के लिए बुलाया, लेकिन उसने जाने से मना कर दिया। इससे आरोपी नाराज हो गया। छात्रा का आरोप है कि आरोपी ने फोन पर उसके साथ गाली-गलौज की और उसे बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने दोनों की बातचीत का एक ऑडियो कथित तौर पर वायरल कर दिया। परिजनों के मुताबिक, ऑडियो वायरल होने के बाद छात्रा ने आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि, उसकी छोटी बहन को पहले से पूरी घटना की जानकारी थी। उसने छात्रा को संभाला और बाद में परिवार के अन्य सदस्यों को मामले की जानकारी दी। छात्रा की बात सुनकर परिजन भी सन्न रह गए। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत करने का फैसला किया। शुक्रवार को छात्रा अपने बाबा के साथ गोला थाने पहुंची। वहां उसने पुलिस को पूरी घटना बताई और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। परिजनों का आरोप है कि आरोपी लगातार छात्रा को फेल करने की धमकी देता था। ऑडियो वायरल होने के बाद उसकी मानसिक स्थिति काफी खराब हो गई थी और इसी तनाव में उसने आत्महत्या का प्रयास किया। मामले की जानकारी और कथित ऑडियो सामने आने के बाद गांव के कुछ लोग भी स्कूल पहुंच गए। ग्रामीणों ने आरोपी को घेर लिया और हंगामा किया। मामला बढ़ता देख आरोपी के वहां से फरार होने की बात सामने आई है। पुलिस अब आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। गोला के सीओ दरवेश कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में सामने आए आरोपों, ऑडियो और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जाएगी।

एडी ने पीएचसी का निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाएं

मरीजों से दवाओं की उपलब्धता की ली जानकारी, प्रसव कक्ष में सफाई सुधारने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण झांसी मंडल डॉ. आरके सोनी ने शुक्रवार को त्योहार के दौरान कुठौंद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, इमरजेंसी व्यवस्था और प्रसव कक्ष का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण तिवारी समेत स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ मौजूद रहा।

एडी स्वास्थ्य ने सबसे पहले ओपीडी का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों की संख्या, पर्चा बनाने की व्यवस्था और चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे उपचार की जानकारी ली। सुबह 10 बजे उनके पहुंचने तक पीएचसी में करीब 23 मरीजों को देखा जा चुका था। उन्होंने मरीजों से सीधे बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया और दवाओं की उपलब्धता के बारे में पूछा। मरीजों ने अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा लिखी गई दवाएं उपलब्ध कराए जाने की बात कही। मरीजों से चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के व्यवहार के बारे में भी जानकारी ली गई। इस दौरान मरीजों ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण तिवारी के कार्यों की सराहना की। मरीजों की ओर से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया पर एडी ने प्रसन्नता जताई। उन्होंने इमरजेंसी कक्ष की व्यवस्थाएं भी देखीं। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को स्वयं इमरजेंसी सेवाएं देते हुए पाया गया। इमरजेंसी में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता संतोषजनक मिली। नेबुलाइजर क्रियाशील पाया गया, जबकि ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को स्टाफ से चलवाकर उनकी कार्यशीलता भी परखी गई। इसके बाद दवा कक्ष का निरीक्षण कर उपलब्ध दवाओं और स्टॉक की स्थिति देखी। फार्मासिस्ट राजेंद्र से आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली और मरीजों को समय से दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जरूरी दवाओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने को कहा। एडी ने प्रसव कक्ष का भी निरीक्षण किया। पिछले 24 घंटे में पीएचसी में तीन प्रसव कराए गए थे, लेकिन निरीक्षण के दौरान प्रसव के बाद एक भी महिला अस्पताल में नहीं मिली। उन्होंने प्रसव के तुरंत बाद महिलाओं को छुट्टी दिए जाने पर आपत्ति जताई और कहा कि प्रसव के बाद महिला व नवजात की आवश्यक निगरानी के बाद ही छुट्टी की प्रक्रिया की जाए। रात में हुए तीन प्रसव से जुड़ी जननी सुरक्षा योजना की लाभार्थियों के बैंक विवरण समेत आवश्यक कागजात समय से नहीं लिए जाने पर उन्होंने स्टाफ नर्स ज्योति पाल के प्रति नाराजगी जताई। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली बार लापरवाही मिलने पर स्टाफ नर्स ज्योति पाल के खिलाफ हटाने की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्रसव कक्ष में साफ-सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। एडी ने संबंधित स्टाफ को सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रसव कक्ष में स्टेरलाइजेशन की व्यवस्था देखी और उपकरणों को मानक के अनुसार स्टेरलाइज करने को कहा। साथ ही आवश्यक सामान को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए अलग स्टोर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। प्रसव कक्ष की व्यवस्थाओं में सुधार कर 10 दिन बाद मानक के अनुसार कार्य किए जाने के फोटो भेजने का आदेश भी दिया। अस्पताल में बेड और मरीजों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने वार्ड बॉय विकास को साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने की हिदायत दी। बेड की नियमित सफाई के साथ मरीजों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने वार्ड की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। फार्मासिस्ट राजेंद्र को भी वार्ड की व्यवस्थाओं पर निगरानी रखने और संबंधित कर्मचारी को आवश्यक निर्देश देने को कहा।उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई समेत अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने और उन्हें समय से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्स वीना, एमटीएस कुलदीप समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

पचनदा पहुंचकर डीएम-एसपी ने परखी बाढ़ की तैयारियां

-नदियों के जलस्तर का लिया जायजा, फिलहाल बाढ़ की स्थिति नहीं; प्रशासन अलर्ट मोड पर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने शनिवार को पचनदा पहुंचकर नदियों के जलस्तर एवं संभावित बाढ़ की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जलस्तर का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से बाढ़ से निपटने के लिए की गई तैयारियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि वर्तमान में नदियों का जलस्तर काफी नीचे है और जनपद में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है। हालांकि, एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं और संभावित परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। नदियों के जलस्तर की निरंतर निगरानी की जा रही है। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव से संबंधित संसाधनों को भी तैयार रखा गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में बिना किसी विलंब के सहायता पहुंचाई जा सके। वहीं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने पचनदा क्षेत्र में सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में स्थिति पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रण में है। प्रशासन द्वारा पचनदा सहित संभावित प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

10 दिन से खराब पड़ी डीपी, 50 परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर

विद्युत विभाग की लापरवाही से ग्रामीण परेशान, बारिश के मौसम में जहरीले जीव-जंतुओं का बढ़ा खतरा, बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़। जालौन जिले के माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के रामपुरा विकासखंड अंतर्गत मानपुरा गांव में पिछले करीब 10 दिनों से विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण लगभग 50 परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव में लगी विद्युत डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर) खराब होने के बाद से अब तक उसे ठीक नहीं कराया गया है। लगातार बिजली न आने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि डीपी खराब होने की जानकारी विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों तक कई बार पहुंचाई जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश का मौसम चल रहा है और गांव में जगह-जगह पानी एवं कीचड़ जमा है। ऐसे में अंधेरे के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा और बढ़ गया है। रात के समय घर से निकलना भी ग्रामीणों के लिए मुश्किल हो गया है और किसी भी समय अप्रिय घटना होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले बिजली न होने पर किसी तरह मिट्टी के तेल या कैरोसिन से लैंप जलाकर रात काट ली जाती थी, लेकिन अब कैरोसिन की व्यवस्था भी नहीं है। मोबाइल चार्ज करने से लेकर घर के जरूरी काम तक प्रभावित हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों को हो रही है। बिजली न होने के कारण बच्चे रात में पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी पढ़ाई पर भी असर साफ दिखाई देने लगा है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि गांव में बिजली के कनेक्शन और कटिया जोड़ने के नाम पर लाइनमैन द्वारा आए दिन अवैध वसूली की जाती है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले की जांच कराने और खराब डीपी को तत्काल बदलवाकर विद्युत आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि 10 दिन का समय बीत जाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होना विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। बारिश के मौसम में बिजली व्यवस्था जल्द बहाल नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अब देखना होगा कि विद्युत विभाग के अधिकारी ग्रामीणों की समस्या का कब तक संज्ञान लेते हैं और मानपुरा गांव के करीब 50 परिवारों को अंधेरे से कब राहत मिलती है।

बारिश से तिली समेत कई फसलों को भारी नुकसान होने से किसानों में बेचैनी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय तहसील क्षेत्र में से रुक-रुककर हो रही झमाझम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। लगातार बारिश के कारण खेतों में खड़ी तिली समेत कई अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। जलभराव और अधिक नमी के चलते फसलें खेतों में ही बर्बाद होने लगी हैं। फलस्वरूप किसानों के चेहरे पर चिन्ता की लकीरें उभर आई है। कृषि सम्बन्धी जानकारी देते हुये मवई ब्राह्मण गांव निवासी किसान नरेंद्र द्विवेदी लल्लू महाराज व देवकीनंदन ओमरे (मगन) ग्राम संदी ने बताया कि लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है। तिली की फसल को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। कई खेतों में फसल गलने और खराब होने लगी है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।धमना गांव के प्रगतिशील कृषक हरमोहन सिंह यादव ने कहा कि बारिश का सिलसिला लंबे समय तक जारी रहने से खेतों की नमी बढ़ गई है। सैकड़ों एकड़ खेतों में बोई गई तिली सहित अन्य फसलों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ा है। यदि जल्द मौसम साफ नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ सकता है। किसान कल्लू सिंह यादव काशीखेरा तथा कृषक व सविता समाज के अध्यक्ष लालता प्रसाद ओमरे ने बताया कि लगातार बारिश के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। मेहनत और लागत लगाकर तैयार की गई फसलें खराब होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष राजू सिंह ने प्रशासन से फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की जायेगी।

गांजे के तस्करों के पीछे पड़ी जिले की पुलिस ने पकड़ा 70 लाख का 27 किलो गांजा

- उड़ीसा से गांजा लाकर बुंदेलखंड में करते थे सप्लाई, 70 लाख के गांजे के साथ चार तस्कर गिरफ्तार
- अपर पुलिस अधीक्षक ने किया घटना का खुलासा
- लम्बे समय से पुलिस गांजा तस्करों को लिए थी रडार पर, बार बार पकड़े गए थोड़े बहुत मात्रा के साथ गांजा तस्कर
- बुंदेलखंड के खास तौर पर जालौन जनपद को बनाना चाहते थे गांजा खपाने की मंडी, एसपी के निर्देशन में पुलिस ने तोड़ दिया तस्करों के मंसूबा

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक जालौन विनय कुमार सिंह के नेतृत्व एवं सीओ कालपी राजेश कमल के पर्यवेक्षण में आटा थाना पुलिस और एसओजी टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 2 स्कॉर्पियो वाहनों से 2 कुंतल 27 किलोग्राम गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की बाजार कीमत करीब 70 लाख रुपये बताई गई है। आटा थानाध्यक्ष अभिलाष मिश्रा, एसओजी प्रभारी रिंकू चौधरी एवं उनकी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए तस्कर उड़ीसा से गांजा खरीदकर लाते थे और उसे झांसी, जालौन, कानपुर देहात, ललितपुर, कानपुर नगर समेत आसपास के जनपदों में सप्लाई करते थे। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों से गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी सामने आई है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन जनपद शामली तथा एक जनपद बागपत का निवासी बताया गया है। मामले का खुलासा अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने पुलिस लाइन उरई में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान किया। पुलिस ने बरामद गांजा और दोनों स्कॉर्पियो वाहनों को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है।

रक्षाबंधन : एक राखी, अनेक संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

'माधौगढ (जालौन) भयंकर वारिश के बीच बहिनों ने दूरदराज से आकर अपने भाईयों को राखी बांधी वहीं सदा सुखी और युग युग तक जीने का शुभाशीष दिया तो वहीं भाईयों ने भी रक्षा करने की शपथ ली येन बद्धो बलिराजा दानवेन्द्रो महाबल: ।

तेन त्वामभिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल ।।'जिस रक्षा सूत्र से महाबली राजा बलि को बाँधा गया था, उसी रक्षा-सूत्र से मैं तुम्हें बाँधता हूँ। हे रक्षासूत्र ! तुम अडिग रहना, अपने संकल्प से कभी विचलित मत होना। रक्षाबंधन पर धागों पर बंधन एक संकल्प है। वह धागा राखी का नहीं, रिश्तों का होता है। बहन जब भाई की कलाई पर राखी बाँधती है तो वह केवल धागा नहीं बाँधती। वह अपने बचपन को बाँधती है, अपनी स्मृतियों को बाँधती है, अपने विश्वास को बाँधती है। उसकी आँखों में एक मौन प्रार्थना होती है भैया ! जीवन चाहे जितना बदल जाए, हमारे रिश्ते का यह विश्वास कभी मत बदलना। और भाई भी जब बहन की ओर देखता है तो उसके मन में एक संकल्प जन्म लेता है- तुम्हारे जीवन में कोई कठिनाई आए तो मैं तुम्हारे साथ खड़ा रहूँगा। यही रक्षाबंधन है। भारतीय संस्कृति की सुंदरता यह है कि वह किसी पर्व को केवल व्यक्तिगत संबंध तक सीमित नहीं रखती। वह एक छोटे से पारिवारिक संस्कार को भी व्यापक सामाजिक संदेश में बदल देती है। रक्षा केवल बहन की नहीं करनी है। रक्षा रिश्तों की करनी है। रक्षा संस्कारों की करनी है। रक्षा समाज की करनी है। रक्षा संस्कृति की करनी है। रक्षा राष्ट की करनी है। और रक्षा उस प्रकृति की करनी है, जिसके बिना हमारा अस्तित्व ही संभव नहीं। हम अक्सर कहते हैं कि देश की रक्षा सैनिक करते हैं। यह सत्य है और इस सत्य के सामने हमारा सिर श्रद्धा से झुक जाता है। सीमा पर खड़ा सैनिक अपने घर की राखी छोड़कर राष्ट्र की रक्षा के लिए तैनात रहता है। वह जानता है कि उसके पीछे करोड़ों परिवार चैन की नींद सो रहे हैं। किसी सैनिक की कलाई पर बँधी राखी में भारत माता की रक्षा का आशीर्वाद भी होता है। कल्पना कीजिए उस बहन की, जो अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधते हुए मन ही मन कहती होगी- भैया ! तुम देश की सीमा पर रहकर लाखों बहनों की रक्षा करना, मैं यहाँ तुम्हारे लौटने की प्रार्थना करूँगी। यह भाव केवल एक परिवार का नहीं है। यह पूरे राष्ट का भाव है। लेकिन राष्ट्र की रक्षा केवल सीमा पर नहीं होती। जब कोई शिक्षक अपने विद्यार्थियों में चरित्र का निर्माण करता है, तब वह राष्ट्र की रक्षा करता है। जब कोई किसान कठिन परिश्रम करके खेत में अन्न उगाता है, तब वह राष्ट्र की रक्षा करता है। जब कोई चिकित्सक ईमानदारी से रोगी का उपचार करता है, तब वह राष्ट्र की रक्षा करता है।

हज यात्रियों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों का होगा चयन, 23 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज यात्रियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रशिक्षकों के चयन के संबंध में सर्कुलर-05, दिनांक 7 अगस्त 2026 जारी किया गया है। सचिव/कार्यपालक अधिकारी मोहम्मद तारिक ने बताया कि प्रशिक्षक पद के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 अगस्त से शुरू होकर 23 अगस्त 2026 तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर आवेदन कर सकेंगे। प्रशिक्षकों के चयन के लिए 30 अगस्त को कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा (सीबीटी) आयोजित की जाएगी। सीबीटी में शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 1 से 6 सितंबर तक होगा। चयनित प्रशिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण सितंबर के अंतिम सप्ताह में मुंबई में संभावित है। उन्होंने बताया कि 150 हज आवेदकों पर एक प्रशिक्षक का चयन किया जाएगा। आवेदक की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट/12वीं या समकक्ष होना आवश्यक है। स्नातक तथा सूचना तकनीकी का ज्ञान रखने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में पांच अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। आवेदक की आयु 7 अगस्त 2026 को 25 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा पिछले पांच वर्षों में हज किया होना अनिवार्य है। इसके प्रमाण के लिए वीजा, पासपोर्ट के संबंधित पृष्ठ अथवा हज कमेटी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा। प्रशिक्षक के लिए हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषा बोलने-समझने में दक्षता, कंप्यूटर का ज्ञान तथा हज सुविधा एप की पूर्ण जानकारी आवश्यक है। साथ ही आवेदक मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए और हज के अरकानों की जानकारी के साथ भीड़ अथवा समूह को संबोधित एवं नियंत्रित करने का अनुभव भी अपेक्षित है। चयनित होने पर सरकारी चिकित्सक द्वारा जारी फिटनेस प्रमाण-पत्र देना होगा। आवेदक के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए, जिसके लिए स्व-अभिप्रमाणित हलफनामा देना होगा। पुरुष एवं महिला प्रशिक्षकों का चयन पुरुष एवं महिला हज यात्रियों की संख्या के अनुपात में किया जाएगा। सीबीटी 100 अंक और साक्षात्कार 20 अंक का होगा तथा दोनों के संयुक्त अंकों की मेरिट के आधार पर चयन किया जाएगा। उत्तीर्ण होने के लिए सीबीटी और साक्षात्कार में अलग-अलग न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सीबीटी में निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित 50 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा और परीक्षा के लिए एक घंटे का समय मिलेगा। प्रत्येक गलत उत्तर पर 0.50 अंक की निगेटिव मार्किंग होगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक फरार

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जालौन क्षेत्र में धनतौली रोड पर शनिवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, आटा थाना क्षेत्र के ग्राम जोराखेड़ा निवासी वीर सिंह (28) पुत्र काशीप्रसाद बाइक से धनतौली रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि वाहन की पहचान कर चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। परिजनों के मुताबिक, वीर सिंह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी अचानक हुई मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने पुलिस से अज्ञात वाहन चालक की जल्द पहचान कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

नदी में डूबे युवक का दूसरे दिन भी नहीं चला पता

-एसडीएम,सीओ, तहसीलदार तथा पुलिस बल और गोताखोर, नाविक सब हैं खाली हाथ, नही मिला युवक का कोई नामो निशान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मगरौल में मछली पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से नून नदी में डूबे युवक का दूसरे दिन शनिवार को भी कोई पता नहीं चल सका। एसडीएम विनय कुमार मौर्य, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कमल, तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा नायब तहसीलदार मुकेश कुमार की मौजूदगी में नाविकों तथा गोताखोरों के द्वारा काफी खोजबीन कराई जा रही है लेकिन सफलता नहीं मिली।एसडीएम ने कहा कि युवक की तलाश के लिए अब एसडीआरएफ की टीम बुलाए जाने को लेकर पत्राचार किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 28-08- 2026 की दोपहर 3 बजे कालपी कस्बे के मुहल्ला निकासपुरा निवासी अशोक कुमार पुत्र हनुमान अपने भाई हिमांशु के साथ ग्राम मगरोल के पास नून नदी में मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से अशोक कुमार नदी में जा गिरा और गहरे पानी में डूब गया। इस घटना की सूचना मिलते ही इलाकाई पुलिस, उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य,सीओ राजेश कमल, तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा, नायब मुकेश कुमार मौके पर पहुंच गये। अधिकारियों की पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से नदी में युवक की तलाश कराई, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला।शनिवार को दूसरे दिन भी नदी में युवक की तलाश जारी रही। पुलिस तथा स्थानीय लोगों ने नदी के आसपास तथा पानी में काफी खोजबीन की। लेकिन अशोक कुमार का पता नहीं चल सका। लगातार दो दिन से तलाश के बावजूद सफलता न मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ गई है। उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने कहा कि एसडीआरएफ की टीम बुलाने के लिये पत्राचार किया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय नागरिकों, नाविकों तथा गोताखोरों के द्वारा नदी में व्यापक स्तर पर सर्च अभियान चलाया जा रहा है।की अपेक्षा की है।ताकि लापता युवक का जल्द पता लगाया जा सके।

राखी बंधवाकर लौट रहे बाइक सवार आमने सामने भिडे,बाइक सवार तीन घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र में शुक्रवार देर रात रक्षाबंधन के अवसर पर मामा के घर से राखी बंधवाकर लौट रहे बाइक सवार हादसे का शिकार हो गए। ग्राम पचीपुरी के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, कोंच निवासी 26 वर्षीय अनमोल पुत्र रविन्द्र कुमार और मिजौना थाना माधौगढ़ निवासी मनमोहन पुत्र दशरथ रक्षाबंधन पर अपने मामा के घर राखी बंधवाने गए थे।राखी बंधवाने के बाद दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम पचीपुरी के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर गैदौली निवासी 30 वर्षीय दिनकर पुत्र मानसिंह सवार थे।

टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।जहां चिकित्सकों ने तीनों घायलो का उपचार किया। घटना की जानकारी परिजनों को भी दी गई। घटना से कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पूर्व छात्रों ने सरस्वती शिशु मंदिर को विभिन्न सामग्री भेंट कर बढ़ाया गौरव

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सरस्वती शिशु मंदिर पटेल नगर मंडी परिसर में पूर्व छात्र परिषद ने विद्यालय की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विभिन्न उपयोगी वस्तुएँ भेंट कीं। ?1989 बैच के पूर्व छात्र डॉ.रमन कुमार दीक्षित, संजीव कुमार झा, अजय गौतम, अनुज गुप्ता, अतुल कुमार अग्रवाल, डॉ. वेशगोपाल सागर, भुवनेश शर्मा, सुनील पालीवाल, आशुतोष हूंका, विकास चड्ढा,विनय चड्ढा, रंजन गोस्वामी, प्रेमनारायण सिंह एवं अतुल सोनी ने विद्यालय के नवनिर्मित विशाल कक्ष हेतु एक-एक पंखा भेंट किया। इसके अतिरिक्त, बलराम राठौर ने एक पंखा व एक झूला, रवि प्रकाश गुप्ता एवं पद्मनाभ मिश्रा ने 50 लीटर प्रति घंटे की क्षमता वाला आरओ प्यूरीफायर विद्यालय को भेंट किया। विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य एवं पूर्व छात्र रामेश्वर दयाल अग्रवाल (दतिया वाले) व सरस्वती विद्या मंदिर के प्रबंधक आनन्द समरया ने भी आरओ प्यूरीफायर भेंट किया। वहीं प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रबंधक डॉ. दिलीप अग्रवाल ने तीन पंखे विद्यालय को दिए। ?इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष आरबी मिश्र,प्रबंधक नरसिंह गहरवार, कोषाध्यक्ष शिवप्रसाद निरंजन ने संयुक्त रूप से सभी दानदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।प्रबंध समिति ने कहा कि विद्यालय में अध्ययनरत भैया-बहन भविष्य में इससे प्रेरणा लेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ही विद्यालय की आवश्यकताओं की पूर्ति होती आई है। पात्र को दिया गया दान ईश्वर की सच्ची सेवा है और पूर्व छात्रों का यह समर्पण विद्यालय के प्रति उनके अगाध प्रेम को दर्शाता है।इस अवसर पर विवेक तिवारी सहित सम्पूर्ण विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

बानपुर पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ललितपुर। वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बानपुर पुलिस ने शनिवार को चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन तथा एएसपी कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी महरौनी अरविन्द्र कुमार पाण्डेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना बानपुर पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए वारंटियों में ग्राम डगराना निवासी वृषभान उर्फ वृगभाग पुत्र ऊदल, मानसिंह पुत्र नन्दलाल, राजेश पुत्र इमरत तथा जगदीश पुत्र गोकुल प्रसाद शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक वृषभान उर्फ वृगभाग, मानसिंह और राजेश के विरुद्ध केस संख्या 45/15, धारा 147, 323, 504 एवं 506 भादवि से संबंधित न्यायालयी वारंट लंबित था। वहीं जगदीश के विरुद्ध केस संख्या 65/12 एवं 84/23, धारा 60(1) आबकारी अधिनियम से संबंधित वारंट लंबित थे। चारों अभियुक्तों को 29 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट/सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक रामप्रकाश तिवारी, हेड कांस्टेबल जुबैर आलम, कांस्टेबल प्रताप सिंह तथा महिला कांस्टेबल भावना शर्मा, थाना बानपुर शामिल रहे।

चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल

-दोनो घायलो की गंभीर हालत देख जिला अस्पताल रेफर किया गया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच बीते रोज शुक्रवार को देर शाम ग्राम कुदइयाँ से देवगाँव जा रहे बाइक सवार दो युवक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्राम पीपरी कला के पास सामने से आ रहे चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम कुदइयाँ निवासी बृजेन्द्र कुमार उम्र 24 वर्ष पुत्र धर्मेंद्र कुमार और आकाश उम्र 20 वर्ष पुत्र बबलू सिंह शुक्रवार को बाइक से सवार होकर ग्राम देवगाँव जा रहे थे। बताया गया कि जैसे ही उनकी बाइक ग्राम पीपरी कला के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चार पहिया वाहन चालक मौके से वाहन लेकर भाग गया। दुर्घटना के बाद राहगीरों ने घायल युवकों को सड़क से उठाकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया, जिससे उन्हें समय पर उपचार मिल सका।सीएचसी में चिकित्सक डॉ. गौरव शर्मा ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक के अनुसार दोनों युवकों को हादसे में गंभीर चोटें आई हैं। उनकी हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया गया।हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में भी चिंता का माहौल है। घटना के संबंध में पुलिस को भी सूचना दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर हादसे के कारणों और टक्कर मारने वाले वाहन की जानकारी जुटाने में लगी है।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी, भाई ने लिया जीवनभर रक्षा का संकल्प

रक्षाबंधन पर्व पर घर-घर दिखा भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का अनोखा संगम

(यंग भारत न्यूज)

रामपुरा (जालौन)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार को रामपुरा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास की खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। सुबह से ही बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर प्रेम और विश्वास की डोर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट करते हुए हर सुख-दुख में साथ निभाने और उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने विधि-विधान से भाई का तिलक कर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर राखी बांधी। राखी बंधवाने के बाद भाइयों ने बहनों का आशीर्वाद लेते हुए उन्हें उपहार दिए। इस अवसर पर भाई-बहन के रिश्ते में छिपे प्रेम और विश्वास ने माहौल को भावुक बना दिया। कई बहनें दूर-दराज से अपने भाइयों के घर पहुंचीं, जिससे परिवारों में भी खुशी का माहौल रहा। बाजारों में भी रक्षाबंधन पर्व को लेकर चहल-पहल देखने को मिली। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, सम्मान और जीवनभर एक-दूसरे का साथ निभाने का संकल्प भी है। रामपुरा नगर में जगह-जगह इस पावन पर्व की खुशियां दिखाई दीं और भाई-बहन के रिश्ते की मिठास से वातावरण सराबोर रहा।

अलग-अलग स्थानों पर घटी दो दुर्घटनाओं में दो घायल, सीएचसी में भर्ती

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो युवक अज्ञात वाहनों की टक्कर से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस कर्मियों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लमसर निवासी 24 वर्षीय विदुर पुत्र सुखलाल तथा बरखेरा निवासी 37 वर्षीय अदत सिंह पुत्र चंद्रभान रात में अलग-अलग स्थानों में सफर में गुजर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहनों की टक्कर से दोनों घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। उक्त घटनाओं की सूचना मिलने पर एंबुलेंस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को सीएचसी कालपी पहुंचाया। अस्पताल में मौजूद चिकित्साधिकारी डॉ. शेख शहरयार ने घायलों की जांच की। इसके बाद स्वास्थ्य टीम ने दोनों का उपचार कर विधिक कार्यवाही की गई है।

जहरीला पदार्थ खाने से अचेत वृद्ध, प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के देवकली गांव में बीती शाम परिवारिक कलह के चलते एक वृद्ध ने कथित रूप से घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी लेकर पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवकली निवासी 60 वर्षीय बाल्मीक ने कथित रूप से परिवारिक विवाद के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ देर बाद उनकी हालत बिगड़ गई और वह अचेत हो गए। परिजन उन्हें सीएचसी कालपी लेकर पहुंचे।अस्पताल में मौजूद चिकित्साधिकारी डॉ. शेख शहरयार ने वृद्ध की जांच की। हालत नाजुक पाए जाने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया।

ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़ रहा मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र कालपी में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। प्राचार्य विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा युवक-युवतियों को स्वरोजगार एवं कौशल विकास से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्राचार्य विपिन कुमार सिंह ने संस्थान में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तथा प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने सरल व्यवहार, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं कार्य के प्रति समर्पण से उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों एवं प्रशिक्षकों के बीच विश्वास और सम्मान अर्जित किया है।प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षक राम सिंह राजपूत, माया देवी सहित अन्य प्रशिक्षकों द्वारा कौशल विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान युवक-युवतियों को उद्योग स्थापित करने के लिए पंजीयन, लाइसेंस, वित्तीय प्रबंधन, समय प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग आदि की व्यवहारिक जानकारी भी दी जाती है।प्राचार्य विपिन कुमार सिंह के अनुसार समय-समय पर व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा माटीकला कौशल विकास योजना के तहत भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को पारंपरिक कला के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।

धनुताल पर हुआ विराट दंगल का आयोजन, कई राज्यो से आए पहलवानो ने दिखाए दाव पेंच

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में शनिवार को ऐतिहासिक धनुतालाब स्थित मेला ग्राउंड में विराट दंगल मेले का आयोजन किया गया। दोपहर शुरू हुए इस दंगल में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नामी ग्रामी पहलवानों ने अपने कुश्ती के दांव-पेंच दिखाकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। दंगल देखने के लिए आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मेला ग्राउंड पहुंचे, जिससे पूरा परिसर दर्शकों की भीड़ से खचाखच भरा हुआ नजर आया।दंगल में हरियाणा, जम्मू, दिल्ली और मेरठ समेत अन्य स्थानों से पहुंचे पहलवानों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। अखाड़े में पहलवानों के उतरते ही दर्शकों में उत्साह देखने को मिला। पहलवानों ने जोरदार दांव-पेंच आजमाते हुए प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी देने का प्रयास किया। कुश्ती के दौरान दर्शक तालियां और उत्साहवर्धन करते नजर आए। कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और पहलवानों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ पिछड़ा वर्ग महासभा के अध्यक्ष रूपेश यादव, माधौगढ़ विधायक मूलचन्द्र निरंजन और पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने अखाड़े में पहुंचकर पहलवानों से हाथ मिलाया और उनका उत्साहवर्धन किया।दंगल के आयोजन को लेकर आयोजकों की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। अखाड़े के आसपास दर्शकों के लिए स्थान निर्धारित किया गया, जिससे कुश्ती मुकाबलों को देखने में किसी तरह की परेशानी न हो। स्थानीय लोगों ने भी आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पहलवानों का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर पालिका ईओ मोनिका उमराव,कढोरेलाल यादव बाबूजी,सभासद सीमा अहिरवार, अनिल वर्मा,महेंद्र सोनी,विनोद सोनी,हरिओम यादव, सागर अग्निहोत्री,अभिनव गलहोत सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। दंगल के दौरान धनुतालाब मेला ग्राउंड में कुश्ती प्रेमियों का उत्साह देखते ही बना। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण और पारंपरिक खेल कुश्ती को बढ़ावा मिलता है तथा युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है।आयोजन समिति द्वारा मंचस्थ अतिथिओ का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।कार्यक्रम का संचालन मृदुल दांतरे ने किया।

आधा वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद हो सकी पालिका बोर्ड बैठक

नगर विकास में 82 करोड से अधिक के प्रस्ताव पास

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगरपालिका में लंबे समय के बाद शनिवार को बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। पालिकाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता की अध्यक्षता एवं भाजपा विधायक मूलचन्द्र निरंजन की उपस्थित में आयोजित हुई बैठक में नगर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव समेत नगरपालिका के तमाम सभासद मौजूद रहे।बैठक के दौरान सभासदों ने अपने-अपने वार्डों में आवश्यक विकास कार्यों को लेकर प्रस्ताव रखे। इन प्रस्तावों में नगर की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने और वार्डों में विकास कार्य कराने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदु शामिल रहे। सभासदों ने अपने अपने क्षेत्रों की समस्याओं को बोर्ड के समक्ष रखते हुए उनके निराकरण की मांग की।चर्चा के बाद बोर्ड बैठक में 82 करोड़ रुपये से अधिक के विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। प्रस्ताव पास होने के बाद अब नगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य कराए जाने का रास्ता साफ हो गया है। इससे नगर के अलग-अलग वार्डों में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।बैठक में जनप्रतिनिधियों और नगरपालिका अधिकारियों ने विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने पर जोर दिया। 82 करोड़ से अधिक की धनराशि से होने वाले कार्यों से नगर की तस्वीर बदलने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।पालिकाध्यक्ष ने कहा कि बरसात के बाद नगर में तेजी से विकास कार्य कराए जाएंगे उन्होने कहा नगर के किसी वार्ड में कोई भी कमी नही रहने दी जाएगी।उन्होने नगर वासियो से कहा कि कही कोई परेशानी हो या साफ सफाई की दिक्कत हो तो वह मुझे बताए उसका तत्काल समाधान किया जाएगा।इस मौके पर सभी नामित सभासदो का परिचय हुआ तथा उनका प्रथम वोर्ड बैठक में उपस्थित रहने पर पालिका परिवार द्वारा साल उडाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।बैठक में सभासदो सहित सभी पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

ऐतिहासिक मुरलीमनोहर तालाब में पूजा अर्चना के भुजरियां विसर्जित की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। रक्षाबंधन के दूसरे दिन नगर व ग्रामीण क्षेत्र में भुजरियों का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। घरों में बोई गई भुजरियों को सहेजकर महिलाएं देवी मंदिरों में पहुंचीं और पूजा-अर्चना के बाद गीत गाते हुए तालाबों की ओर रवाना हुईं। तालाबों पर पहुंचने के बाद महिलाओं ने विधि-विधान से भुजरियों का विसर्जन किया और ढोलक की थाप पर लोकगीत गाकर नृत्य किया। पर्व के दौरान बुंदेली संस्कृति और परंपरा की अनूठी झलक देखने को मिली।

नगर के विभिन्न मोहल्लों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं समूह बनाकर भुजरियां लेकर निकलीं। सिर पर भुजरियों की टोकरियां और हाथों में पूजन सामग्री लिए महिलाओं की टोलियां देवी मंदिरों से होकर तालाबों तक पहुंचीं। रास्ते भर महिलाएं पारंपरिक गीत गाती हुई चलती रहीं। तालाब के किनारे पहुंचकर महिलाओं ने भुजरियों का पूजन किया और उन्हें जल में विसर्जित किया। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को भुजरियां देकर पर्व की बधाई दी और काफी देर तक नाच-गायन चलता रहा। भुजरियों का पर्व केवल उत्सव ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश भी देता है। शाम को पुरुष भी भुजरियां लेकर एक-दूसरे के घर पहुंचे और परिचितों को भुजरियां देकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान लोग एक-दूसरे से गले मिले और पुराने गिले-शिकवे भुलाकर आपसी संबंधों में मिठास घोलने का संदेश दिया। गांवों में कई स्थानों पर देर तक मेल-मिलाप और लोकगीतों का दौर चलता रहा। भुजरियों के पर्व को लेकर आल्हा खंड में भी एक रोचक प्रसंग मिलता है। मान्यता के अनुसार जब पृथ्वीराज चौहान ने महोबा को घेर लिया और उस पर चढ़ाई करने का विचार किया, तब रानी मल्हना ने अपने कुलदेवता मनिया देव से महोबा की रक्षा के लिए प्रार्थना की। तब मनिया देव ने उदल को स्वप्न में महोबा पर आए संकट की जानकारी दी और उसे महोबा की रक्षा करने के लिए कहा। इसके बाद हुए युद्ध में आल्हा और उदल ने मिलकर पृथ्वीराज चौहान की सेना के पैर उखाड़ दिए। संकट टलने के बाद उदल की बहन चंद्रावल ने भुजरियों को तालाब में विसर्जित किया था। इसी घटना से जोड़कर रक्षाबंधन के दूसरे दिन भुजरियां निकालने और उनके विसर्जन की परंपरा शुरू होने की मान्यता है। बुंदेलखंड में आज भी यह परंपरा लोगों की आस्था और लोक संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है।

जातिसूचक व आपत्तिजनक गालियां देने के वायरल हुए वीडियो के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सोशल मीडिया पर आरक्षण को लेकर वर्मा और अहिरवार समाज को जातिसूचक व आपत्तिजनक गालियां देने के वायरल हुए वीडियो के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है।

शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था। नगर के मोहल्ला बापूसाहब निवासी नीरज सक्सेना पर आरोप था कि वह वायरल वीडियो में वर्मा समाज व अहिरवार समाज को आरक्षण को लेकर जातिसूचक एवं गाली-गलौज भरे आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर रहा है। वीडियो में प्रयुक्त भाषा को लेकर दोनों ही समाज के लोगों में रोष था। कदौरा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पिपरायां निवासी वीरेन्द्र अहिरवार ने मामले को लेकर कोतवाली में तहरीर भी दी थी। तहरीर और वायरल वीडियो को संज्ञान में लेकर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आरोपी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है।

दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद लाठी, डंडे और सरिया चले

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद लाठी, डंडे और सरिया चले। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर 10 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हरीपुरा निवासी सौरभ परिहार ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात करीब आठ बजे वह अपने घर के दरवाजे पर बैठा था। तभी नशे की हालत में सुरेंद्र, मनोज, नितिन, धीरज व कलू उनके तीन रिश्तेदार हाथों में लाठी, डंडे लेकर आ गए। सभी मिलकर उसके साथ गाली, गलौज करने लगे। जब उसने मना किया तो सभी ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी। जिसमें उसे, उसके पिता मनीष परिहार व भाई खेमचंद्र को गंभीर चोटें आई हैं। उधर, दूसरे पक्ष के नितिन कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि रात करीब 10 बजे वह अपने घर के बाहर खड़ा था तभी वहां कक्कू परिहार, मनीष, खेमू, सौरभ, शिवम व चार अज्ञात लोग हाथों में सरिया व लाठी, डंडे लेकर आ धमके। आते ही उन्होंने सीधा मारपीट शुरू कर दी। जब उसने बचने के लिए चिल्लाया तो सरिया से हमला करना शुरू कर दिया। जिसमें उसे, उसके मामा सुरेंद्र, पत्नी नीतू, धीरज, आकाश व दीपू को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने सभी घायलों का चिकत्सकीय परीक्षण कराकर दोनों पक्षों की तहरीर पर सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रभारी कोतवाल लालबाबू मिश्रा ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

कजली मेला' का आयोजन

-नगर पालिका द्वारा स्टॉल लगाकर कजली मेला में आने वाले लोगों का स्वागत किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। 'बड़े लड़इया महुवे वाले, इनकी मार सही न जाए' को उजागर करते 'कजली मेला' का आयोजन पंडित दीन दयाल उपाध्याय चौराहे पर आयोजित हुआ। कजली मेले में बच्चे, बूढ़े एवं युवाओं के साथ ही महिलाओं ने भी मेले में रौनक बिखेरी। नगर पालिका द्वारा स्टॉल लगाकर कजली मेला में आने वाले लोगों का स्वागत किया गया।

बुंदेलखंड क्षेत्र में वर्षों से कजली पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है। दिल्ली नरेश पृथ्वीराज चौहान व महोबा के राजा परमाल से हुए युद्ध के चलते बुंदेलखंड की बेटियां कजली (भुजरियां) को रक्षा बंधन के दूसरे दिन दफन कर सकी थीं। इस युद्ध में आल्हा व ऊदल ने अदम्य साहस दिखाते हुए पृथ्वीराज चौहान की सेना के दांत खट्टे कर दिए थे। इसलिए इस पूरे क्षेत्र में रक्षाबंधन के दूसरे दिन को विजय उत्सव के रूप में मनाया जाता है। नगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौराहे के पास वर्षों से कजली मेले का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही एक दूसरे को कजली (भुजरियां) देकर रक्षा बंधन पर्व की बधाई देते हैं। इसके बाद देर शाम को कजली को मलंगा नाले में विसर्जित कर मेले का समापन किया जाता है। कोंच चौराहे पर लगे कजली मेले में बच्चों के खिलौने, झूले, चाट, पकौड़े, खजला, लहिया, पट्टी आदि के काउंटर काफी संख्या में लगे जिसमें लोगों की भीड़ नजर आई। इस दौरान पुलिस व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। मेले में इस बार काफी रौनक और भीड़भाड़ नजर आई। आज की व्यस्ततम जीवन शैली के बाद भी लोगों का ऐसे आयोजन से जुड़ना परंपरा से जुड़ा हुआ है। कजली मेले में नगर पालिका द्वारा स्टॉल लगाया गया। पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल ने मेले में आने वाले लोगों से मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। मेले के दौरान एसडीएम राकेश सोनी, सीओ अजय कुमार सिंह, प्रभारी कोतवाल लालबाबू मिश्रा, चौकी प्रभारी मनीष तिवारी पुलिस फोर्स सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गश्त करते नजर आए।

नगर व ग्रामीण क्षेत्र में उल्लास से मनाया गया भुजरियों का पर्व

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। रक्षाबंधन के दूसरे दिन नगर व ग्रामीण क्षेत्र में भुजरियों का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। घरों में बोई गई भुजरियों को सहेजकर महिलाएं देवी मंदिरों में पहुंचीं और पूजा-अर्चना के बाद गीत गाते हुए तालाबों की ओर रवाना हुईं। तालाबों पर पहुंचने के बाद महिलाओं ने विधि-विधान से भुजरियों का विसर्जन किया और ढोलक की थाप पर लोकगीत गाकर नृत्य किया। पर्व के दौरान बुंदेली संस्कृति और परंपरा की अनूठी झलक देखने को मिली नगर के विभिन्न मोहल्लों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं समूह बनाकर भुजरियां लेकर निकलीं। सिर पर भुजरियों की टोकरियां और हाथों में पूजन सामग्री लिए महिलाओं की टोलियां देवी मंदिरों से होकर तालाबों तक पहुंचीं। रास्ते भर महिलाएं पारंपरिक गीत गाती हुई चलती रहीं। तालाब के किनारे पहुंचकर महिलाओं ने भुजरियों का पूजन किया और उन्हें जल में विसर्जित किया। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को भुजरियां देकर पर्व की बधाई दी और काफी देर तक नाच-गायन चलता रहा। भुजरियों का पर्व केवल उत्सव ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश भी देता है। शाम को पुरुष भी भुजरियां लेकर एक-दूसरे के घर पहुंचे और परिचितों को भुजरियां देकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान लोग एक-दूसरे से गले मिले और पुराने गिले-शिकवे भुलाकर आपसी संबंधों में मिठास घोलने का संदेश दिया। गांवों में कई स्थानों पर देर तक मेल-मिलाप और लोकगीतों का दौर चलता रहा। भुजरियों के पर्व को लेकर आल्हा खंड में भी एक रोचक प्रसंग मिलता है। मान्यता के अनुसार जब पृथ्वीराज चौहान ने महोबा को घेर लिया और उस पर चढ़ाई करने का विचार किया, तब देव से महोबा की रक्षा के लिए प्रार्थना की। तब मनिया देव ने उदल को स्वप्न में महोबा पर आए संकट की जानकारी दी और उसे महोबा की रक्षा करने के लिए कहा। इसके बाद हुए युद्ध में आल्हा और उदल ने मिलकर पृथ्वीराज चौहान की सेना के पैर उखाड़ दिए। संकट टलने के बाद उदल की बहन चंद्रावल ने भुजरियों को तालाब में विसर्जित किया था। इसी घटना से जोड़कर रक्षाबंधन के दूसरे दिन भुजरियां निकालने और उनके विसर्जन की परंपरा शुरू होने की मान्यता है। बुंदेलखंड में आज भी यह परंपरा लोगों की आस्था और लोक संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है।

महोबा से भिंड वाया जालौन व कोंच से फफूंद वाया जालौन रेलवे लाइन के लिए बजट देने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। महोबा से भिंड वाया जालौन व कोंच से फफूंद वाया जालौन रेलवे लाइन के लिए बजट देने को समाजसेवी ने रेल मंत्री को पत्र लिखा है।

समाजसेवी देवीदयाल वर्मा ने रेलमंत्री को पत्र लिखकर बताया कि पूर्व में तत्कालीन रेलमंत्री ममता बनर्जी ने अपने अंतिम रेल बजट में रेल लाईन के लिए संसद में कोच से जालौन औरैया होकर फफूंद तक (89.68 किमी) व महोबा से राठ, चरखारी, उरई-जालौन-बंगरा-माधौगढ़ होकर बीहड़ क्षेत्र से गुजर कर भिंड तक (217 किमी) रेलवे लाइन की स्वीकृति प्रदान की थी। तभी से यह नई रेल लाईन अटकी-भटकी-लटकी है। इनकी सर्वे रिपोर्ट दिनांक 10 फरवरी 2014 व 29 मार्च 2012 को रेलवे बोर्ड नई दिल्ली को उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भेजी जा चुकी है। उक्त-रेलवे लाईन के के लिए पूर्व सांसद केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप सिंह वर्मा भी संसद में मुद्दा प्रमुखता से उठा चुके हैं। भाजपा की राज्यसभा सांसद चंद्रकांता व वर्तमान सांसद नारायण दास अहिरवार भी संसद में इस मांग को उठा चुके हैं। प्रदेश की राज्यपाल महामहिम आनंदीबेन पटेल ने भी उक्त रेल लाईन के लिए सहमति दी है। रेलवे बोर्ड भारत सरकार द्वारा पांच करोड़ 43 लाख रुपये लोकेशन सर्वे के लिए के लिए स्वीकृत हुए थे। लोकेशन सर्वे का कार्य जारी है। अब रेलवे लाइन के निर्माण के लिए बजट की आवश्यकता है। इसलिए रेलवे टैऊक्र के निर्माण के लिए धन आवंटित किया जाए, तो इस क्षेत्र की तरक्की हो सकती है और खुशहाली आएगी।

चौकी प्रभारी ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 29 अगस्त। अभियुक्त को डकैती अदालत से गैर हाजिर होना महंगा पड़ा वहीं अदालत से आए हुए वारंट पर चौकी प्रभारी ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में जेल भेजा।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के निर्देश पर शनिवार के दिन रामगंज चौकी प्रभारी विशाल भड़ाना ने अदालत से आए हुए वारंट को कार्यालय से प्राप्त कर पुलिस बल के साथ गिरफ्तारी अभियान में जुटे हुए थे उसी समय मुखबिर किसी सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने तरीबुल्दा निवासी वारंटी अभियुक्त पुरुषोत्तम पुत्र दुर्गा प्रसाद अपने दरवाजे में बैठा हुआ था तभी टीम ने चारों तरफ से मकान को घेर कर वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया तथा वारंटी अभियुक्त को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण करा कर संबंधित अदालत में प्रस्तुत कर जेल भेजा।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री बने धर्मेंद्र सिंह जादौन

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन के छिरिया सलेमपुर के व्यापारी धर्मेंद्र सिंह जादौन को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का प्रदेश संगठन मंत्री बनाया गया है। बता दे कि बीते दिन शुक्रवार को राठ रोड स्थित एक मैरिज हाल मे आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश संगठन मंत्री धर्मेंद्र सिंह जादौन का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष अरुण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि धर्मेंद्र सिंह जादौन जी को प्रदेश संगठन मंत्री का दायित्व मिलना जिले के लिए गौरब की बात है। उनके संघात्मक अनुभव एवं सक्रियता से व्यापार मंडल को प्रदेश स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। इससे पहले प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल बहुगुणा, प्रदेश महामंत्री डॉक्टर दिलीप सेठ, प्रदेश मंत्री हरिओम बाजपेई ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। प्रदेश संगठन मंत्री धर्मेंद्र सिंह जादौन ने कहा कि मुझे जो संगठन द्वारा जिम्मेदारी मिली है। उसे पर मैं खरा उतरने का प्रयास करूंगा। इस मौके पर प्रदीप महेश्वरी, अवनीश चंद्र द्विवेदी, विपिन माहेश्वरी, रेणु गुप्ता, मनीष शंकर, प्रदीप गुप्ता, साजिद भाई, शिवम प्रजापति, शैलेंद्र प्रजापति, नवाज खान आदि लोग मौजूद रहे।

रास्ते में रोककर युवक से मारपीट, जातिसूचक शब्दों से किया अपमान

चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चकमहरौनी में घर लौट रहे एक युवक को रास्ते में रोककर लाठी-डंडों से मारपीट करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने का मामला सामने आया है। तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं सहित एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा की जा रही है। ग्राम चकमहरौनी निवासी जितेन्द्र चौधरी पुत्र गनू अहिरवार, उम्र करीब 32 वर्ष, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 अगस्त 2026 को शाम करीब चार बजे वह अपने घर वापस जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में गांव के ही विनोद यादव पुत्र दयाराम, हजरत पुत्र देवकीनन्दन, इन्द्रपाल पुत्र वीरन और भरत पुत्र भवानी सिंह ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसका अपमान किया। विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर लात-घूंसों और लाठी-डंडों से मारपीट की। तहरीर में आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने आपातकालीन सेवा 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने की जानकारी मिलते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। उसने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपनी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 352, 115(2) और 351(3) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(घ) और 3(2)(व्ही.ए.) के तहत चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झमाझम बारिश से गिरे मकानो के 18 परिवार मुखिया के बचत खाते में सीधे मुआवजे की धनराशि भेजी गयी है तथा भेजी जाएगी- श्रीश मिश्रा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 29 अगस्त। बीते दिन से तीन दिन हुई झमाझम बारिश से पूरी तहसील में कई मकान धराशाई हुए गिरे हुए मकानों को स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्काल संज्ञान में लेकर ग्रामों सेसंबंधित लेखपालों को घर-घर जाकर निरीक्षण कर तत्काल रिपोर्ट तहसील की पटल में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए झमाझम बारिश की घटना को तत्काल संज्ञान में लेकर उपजिला अधिकारी विनय कुमार मौर्य तहसीलदार श्रीश मिश्रा दोनों ने अलग-अलग ग्रामों में भ्रमण कर वर्षा का पूरी तरह से जायजा लिया तथा नायब तहसीलदारों में चंद्र मोहन शुक्ला मुकेश कुमार प्रिंस बाबू एवं ग्राम से संबंधित सभी लेखपालों को सख्त निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने ग्रामों में जाकर प्रत्येक कच्चे मकान निरीक्षण कर जो मकान बरसात से गिरे हैं उनकी सूची तैयार कर तत्काल तहसील की पटल में प्रस्तुत करें जिससे प्रभावित मकान मुखिया के बचत खाते में धनराशि भेजना सुनिश्चित की जाए उन्होंने यह भी अवगत कराया कि अभी लेखपाल से 18 लोगों के मकान गिरने की सूची तहसील की पटल में प्रस्तुत की गई है सूची के आधार पर 18 लोगों के बचत खाते में मुआवजे की धन राशि भेजना सुनिश्चित की गई है तहसील के दोनों आला अधिकारियों ने अवगत कराया कि सर्प काटने से कदौरा ब्लाक में चतेला थाना आटा के अंतर्गत गड़ा जगह जो मृत्यु हुई है उक्त घटना पर तत्काल रिपोर्ट तैयार कर पोस्टमार्टम की रिपोर्ट मिलने पर पीड़ित के बचत खाते में सहायता धनराशि तत्काल भेजना सुनिश्चित करेंगे उन्होंने यह भी कहा कि दैवीय आपदा से पीड़ित लोगों को हर संभव मदद करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से तत्पर है।

मोटर की करंट से अधेड़ महिला की कुआं में गिरकर मौत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 29 अगस्त। 55 वर्षीय सावित्री पत्नी राममोहन निवासी कीरतपुर शुक्रवार की देर शाम गांव में स्थित कुएं के पास लगी हुई मोटर को जैसे ही बटन दबाया उसी समय करंट का झटका लगते ही कुएं में गिरकर घटना स्थल में मृत्यु हो गई घटना की सूचना पाकर पहुंचे परिवार तथा गांव वालों ने महिला को कुआं से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु लाये अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉ विशाल सचान ने महिला मरीज की जांच की जांच दौरान नब्ज पकड़ते ही मृत घोषित कर स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा कोतवाली कालपी में मेमोरेंडम भेज कर पंचनामा की कार्यवाही करने के निर्देश दिए वही निर्देश पर उप निरीक्षक रामजीलाल महिला पुलिस बल के साथ सीएचसी पहुंचकर महिला के मृतक शव को कब्जे में लेकर परिवार की मौजूदगी में पंचनामा भरकर महिला पुलिस अभिरक्षा में शव को जिला मुख्यालय उरई पोस्टमार्टम हाउस भेजा।

रोमांचक फाइनल में जीत के साथ अपने नाम किए 1.91 करोड़ रुपए

'प्रज्ञाना' ने 6 अंक पिछड़ने के बाद रचा इतिहास, कारुआना को दी मात

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने यहां ग्रैंड फाइनल में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया। प्रज्ञानानंदा ने कारुआना से 6 अंक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की।

ग्रैंड शतरंज टूर जीतने वाले पहले भारतीय बने प्रज्ञानानंदा

अगले साल होने वाले ग्रैंड शतरंज टूर में प्रज्ञानानंदा की जगह पक्की

सेंट लुई

भारतीय खिलाड़ी ने आखिर में कारुआना को 15-13 से हराकर अपना पहला जीसीटी खिताब जीता और पुरस्कार राशि के रूप में 200,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग एक करोड़, 91 लाख रुपए) अपने नाम किए। इस तरह से प्रज्ञानानंदा, कारुआना और एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने अगले साल होने वाले ग्रैंड शतरंज टूर में जगह पक्की कर दी। वेस्ली ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को 18-12 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

रैपिड राउंड जीतना महत्वपूर्ण : प्रज्ञानानंदा

प्रज्ञानानंदा ने जीत के बाद कहा, सच कहूं तो, मुझे नहीं लगता था कि आज मेरे पास जीतने के ज्यादा मौके हैं। ऐसा हर दिन नहीं होता। आप फैबी (कारुआना) से एक गेम जीत सकते हैं लेकिन रैपिड राउंड में दो गेम जीतना महत्वपूर्ण था।

प्रज्ञानानंदा ने की शानदार वापसी

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद से प्रशिक्षण लेने वाले चेन्नई का यह 21 वर्ष का खिलाड़ी दिन की शुरुआत में छह अंक से पीछे था लेकिन उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी की तथा दोनों रैपिड गेम (प्रति गेम विजेता को चार अंक) जीतकर दो अंकों की बढ़त बना ली। इसके बाद खेले गए चार ब्लिट्ज मैचों में मुकाबला बराबरी का रहा, जिसमें प्रज्ञानानंदा और कारुआना ने एक-एक मैच जीता जबकि शेष दो मैच ड्रॉ रहे। इस तरह से रैपिड राउंड के आखिर में मिली दो अंकों की बढ़त भारतीय ग्रैंडमास्टर के लिए निर्णायक साबित हुई।

ड्रॉ करके खिताब अपने नाम किया

ब्लिट्ज सेशन का पहला गेम ड्रॉ रहा, जिसके बाद कारुआना ने दूसरा गेम जीतकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। प्रज्ञानानंदा ने हालांकि तीसरा गेम जीत कर फिर से दो अंक की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अगला गेम ड्रॉ करके खिताब अपने नाम कर दिया। प्रज्ञानानंदा इस साल की शुरुआत में कोई शतरंज खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। इस दौरान उन्होंने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया था।

अविश्वसनीय सीजन का समापन

ग्रैंड शतरंज टूर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रज्ञानानंदा को पहली बार ग्रैंड शतरंज टूर का खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई। एक रोमांचक फाइनल मैच में फैबियानो कारुआना को हराकर प्रज्ञानानंदा ने एक अविश्वसनीय सीजन का समापन किया और अपने करियर में पहली बार जीसीटी का खिताब अपने नाम किया। उनकी कहा, क्या शानदार वापसी थी। क्या जबरदस्त मुकाबला था। चैंपियन बनने का इससे शानदार तरीका और नहीं हो सकता।'

यूएस ओपन : विमेंस सिंगल्स मेन ड्रॉ के टॉप हाफ में सबालेंका, पेगुला और नोस्कोवा

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका के साथ टॉप-सीडेड अमेरिकी जेसिका पेगुला और 2026 विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा को यूएस ओपन 2026 के 'विमेंस सिंगल्स' ड्रॉ के टॉप हाफ में रखा गया है।

वहीं, यूएस ओपन चैंपियन कोको गॉफ (2023) और इगा स्वियातेक (2022) बॉटम हाफ में हैं, उनके साथ 2026 ग्रैंड स्लैम चैंपियन मीरा एंड्रीवा और एलेना रायबाकिना भी शामिल हैं। सबालेंका अपने अभियान की शुरुआत कोलंबिया की वर्ल्ड नंबर 58 कैमिला ओसोरियो के खिलाफ करेंगी, जबकि दूसरी सीड वाली रायबाकिना पहले राउंड में अमेरिका की 58वीं रैंक वाली थिया प्रेडिन से भिड़ेंगी।

पेगुला, गॉफ और अनिसिमोवा के पास आगे बढ़ने का मौका

टॉप अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला, गॉफ और अनिसिमोवा सभी के पास यूएस ओपन 2026 में आगे बढ़ने का मौका है। अब ऐसा होना भी चाहिए क्योंकि पिछले साल यूएस ओपन में अनिसिमोवा के बाद से कोई भी अमेरिकी महिला खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम फाइनल में नहीं पहुंच पाई है। अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश कर रहीं पेगुला क्वार्टर फाइनल में मुचोवा या नंबर 9 एलिना स्वितोलिना से भिड़ सकती हैं। ड्रॉ के निचले हिस्से में होने के कारण, अनिसिमोवा और हाल ही में सिनसिनाटी चैंपियन बनीं गॉफ क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने हो सकती हैं। अगर सब कुछ सही रहा, तो नंबर 2 पेगुला और नंबर 4 गॉफ फाइनल में भी मिल सकती हैं।

खबर संक्षेप

महिला आयरिश ओपन प्रणवी की शानदार शुरुआत

स्ट्राफन। प्रणवी उर्स ने केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में शानदार शुरुआत करते हुए तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया लेकिन अन्य भारतीय खिलाड़ियों दीक्षा डागर, अवनी प्रशांत और त्वेसा मलिक पर कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा है। प्रणवी ने 10वें होल से शुरुआत की। उन्होंने 10वें, 16वें और 17वें होल पर बर्डी बनाई और फिर पहले होल पर एक और बर्डी जोड़ी। उन्होंने प्रणवी ने आठवें होल पर अपना एकमात्र शॉट गंवाया। वर्तमान में एलईटी रैंकिंग में 1वें स्थान पर काबिज दीक्षा और त्वेसा दोनों ने 74 का स्कोर बनाया और वे संयुक्त 69वें स्थान पर हैं। कट में जगह बनाने के लिए उन्हें दूसरे राउंड में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अवनी प्रशांत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने सात ओवर में 79 का स्कोर बनाया।

एशियाई खेलों के लिए चुने गए अभिषेक पाल को नाडा का नोटिस

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में चुने गए लंबी दूरी के धावक अभिषेक पाल को डोपिंग उल्लंघन के कथित मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने नोटिस जारी किया है। नाडा ने हालांकि अभी तक उनके खिलाफ अस्थायी निलंबन नहीं लगाया है। सूत्रों के अनुसार, पाल के डोप नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ की बेहद कम मात्रा पाई गई है। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि नाडा ने इसी आधार पर पाल को नोटिस भेजा है। यह भी माना जा रहा है कि पाया गया पदार्थ महिलाओं में प्रजनन क्षमता से जुड़ी किसी दवा का हो सकता है। सूत्र ने कहा कि प्रतिबंधित पदार्थ का पाया जाना अपने आप में चौंकाने वाला है और उम्मीद है कि पाल इस मामले की जांच की मांग के लिए नाडा का रुख करेंगे। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों के लिए चुनी गई 72 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम में पाल को 5000 मीटर और 10,000 मीटर दौड़ के लिए जगह मिली है। उनके लिए डोपिंग मामले के चलते एशियाई खेलों में हिस्सा लेना मुश्किल हो सकता है।

डायमंड लीग : फाइनल में खेलेंगे नीरज

नई दिल्ली

भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिता की सीरीज के केवल दो टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बावजूद 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

चोपड़ा ने 19 जून को दोहा और 21 अगस्त को लुसाने में हुई डायमंड लीग में क्रमशः दूसरा स्थान हासिल करके 12 अंक जुटाए। इसके साथ वह अंक तालिका में छठे स्थान पर रहे और ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे, जिसमें विजेता सीधा चैंपियन बनता है।

ज्यूरिख में अंक तालिका की गई अपडेट

ज्यूरिख में सीरीज के 14वें और आखिरी चरण के समाप्त होने के बाद अंक तालिका अपडेट की गई। इस साल हुई 14 डायमंड लीग प्रतियोगिता में से पांच में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी, लेकिन नीरज चोपड़ा ने इनमें से केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। अट्ठाईस वर्षीय

■ डब्ल्यूए अल्टीमेट चैंपियनशिप में जगह बनाने की दौड़ में

■ 05 सितंबर को ब्रसेल्स में होगा टूर्नामेंट

चोपड़ा चोट से उबरने के बाद वापसी की राह पर हैं, उन्हें पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट परेशान कर रही थी। इस चोट के कारण उनकी वापसी में देरी हुई और उन्होंने दोहा डायमंड लीग में वापसी की।

ब्रसेल्स में दो दिन तक होगा फाइनल

डायमंड लीग फाइनल ब्रसेल्स में दो दिन तक आयोजित होगा, जिसमें 4 सितंबर को 15 स्पर्धाएं होंगी जबकि बाकी 15 स्पर्धाएं अगले दिन आयोजित की जाएंगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी। विजेता को ट्रॉफी के साथ कम से कम 30,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं आठवें स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 1,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। अगर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को डायमंड 'प्लस स्पर्धाओं' में चुना जाता है तो विजेता को 60,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश पथिरगे 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं। ऐसे में उन्हें ब्रसेल्स में डायमंड लीग की ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

लॉर्ड्स टेस्ट : इंग्लैंड की पहली पारी 290 पर सिमटी, अब्बास ने चटकाए 4 विकेट

लॉर्ड्स

पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सत्र में इंग्लैंड की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

दूसरे दिन के खेल की शुरुआत इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 248 रन से की। गस एटकिंसन और जोश टंग की जोड़ी ने 10वें विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 290 तक पहुंचाया। एटकिंसन 46 गेंदों पर 45 रन बनाकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। टंग 48 गेंदों पर 30 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन इंग्लैंड की शुरुआत खराब

पहले दिन टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 77 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे और ऐसा लग रहा था कि टीम 200 का आंकड़ा शायद पार न करे, लेकिन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए जॉर्डन कॉक्स ने 55 और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए

विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने 61 रन की पारी खेल टीम को संभाला था। बेन डकेट 17, एमिलियो गे 8, कप्तान रूट 4, हैरी ब्रूक 15, डैन लॉरेंस 17 और जोश आर्चर 14 रन बनाकर आउट हुए।

पेनल्टी शूटआउट में बेल्जियम से 3-4 से हारकर भारतीय पुरूष हॉकी टीम आठवें स्थान पर

वॅवरे (बेल्जियम)

आखिरी सीटी बजने से 26 सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल के दम पर भारत ने स्कोर 3-3 से बराबर करके शुक्रवार को सह मेजबान बेल्जियम के खिलाफ विश्व कप के मुकाबले को शूटआउट में खींच दिया जिसमें बेल्जियम के 4-3 से जीतने के बाद भारत आठवें स्थान पर रहा। दुनिया की दूसरे नंबर की टीम बेल्जियम ने आखिरी मिनट तक 3-2 से बढ़त बना ली थी लेकिन 26 सेकंड बाकी रहते भारत को अहम पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर गोल करने में हरमनप्रीत ने

कोई चूक नहीं की। यह इस विश्व कप में उनका आठवां गोल था। पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिये शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक ने गोल किये जबकि हरमनप्रीत और सुखजीत सिंह के निशाने चूके। वहीं बेल्जियम के लिये टॉम बून, आर्थर डि स्लूवेर, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और रोमन डुवेकोट ने गोल दागे जबकि विक्टर फ्रूवर्ट का निशाना नहीं लगा। अपने सारे मैच नीदरलैंड में खेलने वाली भारतीय टीम ने ठंडी हवाओं के बीच अच्छी खासी तादाद में यहां बेल्फियस हॉकी एरेना में जमा घरेलू समर्थकों के सामने पहले बढ़त बनाई लेकिन दुनिया की दूसरे नंबर की टीम के सामने उस लय को कायम नहीं रख सकी। एम्सटेलवीन में बृहस्पतिवार को भारतीय महिला टीम के जर्मनी को हराकर पांचवां स्थान हासिल करने के बाद हरमनप्रीत सिंह की टीम से भी जीत के साथ विदाई की उम्मीद थी लेकिन एक बार फिर लचर डिफेंस का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।

हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी टीम के लिए 50 लाख का पुरस्कार घोषित किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी विश्व कप में ऐतिहासिक पांचवां स्थान हासिल करने पर शुक्रवार को 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। सलीमा टेटे की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने बृहस्पतिवार को एम्सटेलवीन में पांचवें और छठे स्थान के मुकाबले में दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी को 3-1 से हराया। इसके साथ भारत ने विश्व कप में अपना अब तक का दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। भारत ने इससे पहले 1974 में हुए पहले विश्व कप में चौथा स्थान हासिल किया था। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक मैच गंवाया। टीम ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली चीन, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ मैच ड्रॉ किए। इसके अलावा भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराया। जर्मनी के खिलाफ जीत के साथ भारत ने मुख्य कोच शोर्ड मारिन के कार्यकाल का भी जीत के साथ समापन किया। टीम को इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'यह भारतीय महिला हॉकी के लिए ऐतिहासिक परिणाम है।'

अंडर-23 और सीनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए डब्ल्यूएफआई भेजेगा अलग-अलग टीमें

नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप और सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के बीच बेहद कम अंतराल को देखते हुए दोनों प्रतियोगिताओं के लिए अलग-अलग भारतीय टीमें भेजने का फैसला किया है। हंसिका लांबा, नीशू और नेहा शर्मा जैसी पहलवानों को इस साल अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप और सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में से किसी एक को चुनना होगा। भारत के शीर्ष पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवान सुजीत कलकल पहले ही सीनियर विश्व चैंपियनशिप में खेलने का फैसला कर चुके हैं जिन्होंने सर्बिया में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। हंसिका (53 किग्रा) ने सर्बिया में रजत पदक जीता था जबकि नीशू (55 किग्रा) और नेहा (57 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) ने भी कांस्य पदक जीते थे और ये अंडर-23 तथा सीनियर दोनों विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए योग्य हैं।आमतौर पर अच्छे प्रदर्शन करने वाले अंडर-23 पहलवान सीनियर स्तर पर भी खुद को आजमाना चाहते हैं। लेकिन इस बार दोनों प्रतियोगिताओं के बीच बहुत कम अंतर होने के कारण ने डब्ल्यूएफआई ने अलग-अलग टीमें चुनने का फैसला किया है। अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप अमेरिका में 12 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होगी, जबकि सीनियर विश्व चैंपियनशिप कजाखस्तान में 24 अक्टूबर से एक नवंबर तक खेली जाएगी। दोनों प्रतियोगिताओं के बीच महज कुछ दिनों का अंतर होने के कारण महासंघ ने यह निर्णय लिया है। डब्ल्यूएफआई ने एक सर्कुलर में कहा कि दोनों चैंपियनशिप के बीच कम समय को देखते हुए यह फैसला लिया गया है ताकि पहलवानों को अपनी-अपनी प्रतियोगिताओं के लिए पर्याप्त तैयारी का समय मिल सके और वे पूरी तरह तैयारी के साथ हिस्सा ले सकें।

दिनुशा का अभावों से शिखर तक का सफर

बहन ने उधार लेकर दिलाया था पहला बल्ला

कोलंबो

भारत को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत से वंचित करने वाले श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा और यहां तक कि उनके लिए पहला बल्ला उनकी बहन ने पैसे उधार लेकर खरीदा था।

यह क्रिकेटर अपने खेल के प्रति कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने दूसरे टेस्ट में भारत की संभावित जीत को अकेले दम पर टालने के कुछ ही घंटों के भीतर नेट पर अभ्यास करना चाहा। जश्न मनाना उस श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए कोई मायने नहीं रखता था, जिन्होंने अपने जीवन की कठोर वास्तविकताओं से ध्यान हटाने के लिए खेल को चुना था।

स्वीप शॉट का किया शानदार नमूना पेश

भारत के खिलाफ टेस्ट मैच शुरू होने से कुछ दिन पहले दिनुशा ने प्रियंजन को फोन किया था। प्रियंजन ने कहा, 'उसने कहा, 'सर, भारत के पास हर तरह के स्पिनर हैं। हमें अच्छी तैयारी करनी होगी। यही हमारी चर्चा का मुख्य बिंदु था। वह हर मैच से पहले मुझे फोन करता है।' दिनुशा की कड़ी मेहनत आखिर में रंग लाई और उन्होंने भारत के स्पिनरों रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार (सभी बाएं हाथ के स्पिनर) और सारांश जैन (ऑफ-स्पिनर) के खिलाफ स्वीप शॉट का शानदार नमूना पेश करते हुए उन्हें कुछ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

नेट पर सिर्फ स्वीप शॉट का अभ्यास

यह 25 वर्षीय खिलाड़ी कड़ी मेहनत करने में विश्वास रखता है और यही वजह है कि प्रियंजन को दिनुशा की भारतीय स्पिनरों के खिलाफ मिली सफलता पर आश्चर्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मैंने उसे पहली बार स्कूल क्रिकेटर के रूप में देखा था। तब वह 11 या 12 साल का था, लेकिन उस उम्र में भी क्रिकेट के प्रति उसका उत्साह और समर्पण सराहनीय था।' उन्होंने कहा, 'मैंने एक बार उससे कहा था कि स्पिनरों के खिलाफ सफल होने के लिए उन्हें स्वीप शॉट अच्छी तरह से खेलना आना चाहिए। इसके बाद से ही उसने लगभग दो घंटे नेट पर सिर्फ स्वीप शॉट का अभ्यास किया।'

ला लीगा: बार्सिलोना ने बिलबाओ को दी शिकस्त

बार्सिलोना। ला लीगा 2026/27 सीजन की शुरुआत एफसी बार्सिलोना के लिए शानदार रही है। पहले मैच में जीत दर्ज करने के बाद बार्सिलोना ने दूसरे मुकाबले में घरेलू मैदान पर एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराया। एफसी बार्सिलोना के लिए राफिन्हा (37वें मिनट) और फर्मिन लोपेज (82वें मिनट) ने शानदार गोल करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके प्रतिद्वंद्वी एथलेटिक बिलबाओ की टीम एक भी शॉट टारगेट पर नहीं मार पाई। लेकिन खेल के 15 मिनट बाद एथलेटिक के गोलकीपर उनाई साइमन की परीक्षा ली।

मनोज की लास्ट मैन इन टावर का टीजर आउट

मुंबई। मनोज बाजपेयी की अगली फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' का टीजर रिलीज हो गया है। ये फिल्म बस कुछ ही दिनों में सिनेमाघरों में रिलीज होनेवाली है। बेन रेखी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को राम वल्लुबाती की 'सेंट्रल मीडिया' ने प्रस्तुत किया है। फिल्म की ये कहानी मनोज बाजपेयी की झलकियों से शुरू होती है जो एक स्कूल मास्टरजी रिटायर्ड टीचर हैं, जो अपनी कम्युनिटी के लोगों की ख्वाहिशों के विरुद्ध खड़ा है। यही वजह है कि उन्हें कोई पसंद नहीं करता। टीजर की शुरुआत मनोज बाजपेयी की काफी आवाजों से होती है जिसमें वो कहते हैं, इतना सिर्फ उम्र हो तो नहीं हो सकता न जितना उन्हें समझ पे उनके आस-पड़ोस के लोग जानते हैं। इसके बाद एक लाइन में कहा जा रहा है- रिश्तों को तो रिस्पेक्ट मिल ही जाती है, पर वो है भी क्या इस रिस्पेक्ट लायक? इसके बाद मनोज बाजपेयी के किरदार को लेकर कोई कहता है- मुझे तो नहीं लगता कि उसका पढ़ना कभी कोई पास भी होता है। वहीं महिलाएं उनके बारे में आपस में बात करती हैं- बाहर तो गांधी जी बने फिरते हैं, घर में तो बिल्कुल तानाशाह हैं।

लाइफ Style

दीया

किरदार की सच्चाई को समझना जरूरी

फिल्म इंडस्ट्री में हम अक्सर सुनते हैं कि एक्ट्रेसेस ने कई बार शूट के दौरान मेकर्स कुछ ऐसी डिमांड करते हैं, जिसे पूरा करना उनके लिए बेहद मुश्किल होता है। कुछ ऐसा ही बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा के साथ भी हुआ। हाल ही में दीया ने अपने कैरियर के शुरुआती दौर और फिल्मों में काम करने के दौरान सामने आई चुनौतियों को लेकर खुलकर बात की है।

नई दिल्ली

दीया ने साल 2004 में आई फिल्म 'तुमसा नहीं देखा' के गाने 'मुझे तुमसे मोहब्बत है' से जुड़ा एक एक्सपीरियंस शेयर किया। दीया ने बताया इस फिल्म के एक गाने की शूटिंग की दौरान उन्होंने 100 लोगों के सामने 'कपड़े उतारने' पड़े थे। दीया ने बताया, 'इसने मुझे ऐसे आजाद किया जैसा मैंने कभी सोचा भी नहीं था। इसके बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ मैं इस गाने को परफॉर्म कर पाई, इसकी वजह यह थी कि वैभवी मर्चेंट इस गाने की कोरियोग्राफर थीं। वहीं, इस पर काम करने वाले सभी लोगों ने मुझे बहुत सुरक्षित महसूस कराया।'

दीया ने आगे बातचीत में बताया, 'लेकिन एक लड़की के तौर पर यह शायद मेरे लिए सबसे मुश्किल कामों में से एक था। क्योंकि, मुझे सेट पर मौजूद सैकड़ों पुरुषों के सामने लगभग निर्वस्त्र होना पड़ा। बस अंडरवियर और ब्रा में शूट करना पड़ा।' उन्होंने आगे कहा, 'उस वक्त तक मैं ये समझ चुकी थी कि एक एक्टर के लिए किरदार की सच्चाई को समझना सबसे ज्यादा जरूरी है। मैं इसे कैसे समझाऊं? ऐसा लगा तो सही, लेकिन असल में वैसा महसूस नहीं हुआ, क्योंकि तब तक यानी जब हमने गाना शूट किया मैं यह अच्छी तरह समझ चुकी थी कि एक एक्टर के तौर पर किरदार की सच्चाई को तलाशना और अपने रोल के जरिए आप क्या संदेश दे रहे हैं, यह कितना जरूरी है।

हॉलीवुड मसाला

16 साल में इस हॉरर फिल्म के आए 6 पार्ट

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की मशहूर हॉरर फ्रेंचाइजी इनसीडियस का छठा पार्ट 'इनसीडियस: आउट ऑफ फर्दर' थिएटर्स में रिलीज हो चुका है। सिर्फ 171 करोड़ रुपए (करीब 19 मिलियन डॉलर) के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में अब तक लगभग 610 करोड़ रुपए (64.7 मिलियन डॉलर) कमा लिए हैं। भारत में भी ये फिल्म दर्शकों को डराने और सिनेमाघरों तक खींच लाने में कामयाब रही है। इस हॉरर फ्रेंचाइजी की खास बात यह है कि इनसीडियस 6 से पहले इसके पांच पार्ट रिलीज हो चुके हैं और ये सारी फिल्में सुपरहिट रही हैं। 21 अगस्त 2026 को अमेरिका और भारत समेत कई देशों में रिलीज हुई इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड में ही दुनियाभर में 60 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर ली थी।

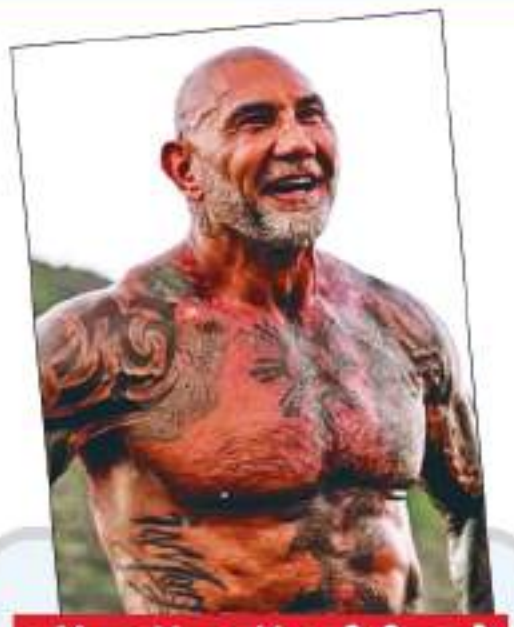

गॉड ऑफ वॉर सीरीज में क्रेटोस बनेंगे डेव बटिस्टा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर डेव बटिस्टा की एंट्री पॉपुलर वीडियो गेम फ्रेंचाइजी 'गॉड ऑफ वॉर' की लाइव-एक्शन टीवी सीरीज में हो गई है। वह एक्टर रयान हर्स्ट को रिप्लेस कर रहे हैं। अमेजन प्राइम वीडियो और सोनी की इस सीरीज में डेव बटिस्टा को क्रेटोस के रोल के लिए आधिकारिक तौर पर फाइनल कर लिया गया है। डेव बटिस्टा को ड्यून और गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी जैसी फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। रयान हर्स्ट को जनवरी 2026 में क्रेटोस के तौर पर अनाउंस किया गया था। लेकिन जून में शूटिंग के दौरान उनके बाइसेप्स में गंभीर चोट लग गई। उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और उनकी वजह से प्रोडक्शन को दोबारा शुरू करने में काफी देरी होने वाली थी। ऐसे में अमेजन और सोनी ने क्रेटोस के रोल के लिए नए एक्टर की तलाश शुरू की। कुछ समय पहले खबर आई थी कि डेव बटिस्टा इस किरदार को निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अब उन्हें आधिकारिक तौर पर इस रोल के लिए चुन लिया गया है।

कृति ने बहन नुपुर संग मनाया रक्षा बंधन

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने रक्षा बंधन के मौके पर त्योहार मनाते हुए नया पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बहन नुपुर के साथ राखी का पर्व मनाया है और दोनों बहनों ने अपनी कलाइयों की तस्वीर साझा की है। लेकिन लगे हाथ उन्होंने उन आलोचकों पर भी तंज कसा है, जो उनके विवादित रक्षा बंधन विज्ञापन में कपड़ों को लेकर खरी-खोटी सुना रहे हैं। हालांकि, अब ज्वेलरी कंपनी ने वह विज्ञापन हटा लिया है और इसी बीच कृति ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में लिखा है- जब तक राखी फैशन कमेटी की मीटिंग चल रही है, हम उन चीजों पर ध्यान दे रहे हैं, जो सच में मायने रखती हैं। कृति सेनन के साथ ही उनकी छोटी बहन नुपुर सेनन ने भी रक्षा बंधन पर एक जैसी तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें दोनों बहनों के हाथों की एक तस्वीर है, जिसमें कलाई पर राखी बंधी हुई है। जाहिर तौर पर, 'राखी फैशन कमेटी' का जिक्र सीधे-सीधे उन आलोचकों के लिए है, जिन्होंने विज्ञापन में एक्ट्रेस के कपड़ों को लेकर टीका-टिप्पणी की थी।

प्रेम कीटाणु का गाना 'कहो तो' हुआ रिलीज

नई दिल्ली। फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का नया रोमांटिक गाना 'कहो तो' मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इस गाने में अरमान मलिक की सुरीली आवाज फैंस को फिर सुनने मिल रही है। फिल्म कॉलेज लाइफ पर आधारित है और उसी दौरान होने वाले रोमांस पर आधारित है। फिल्म 'प्रेम कीटाणु' में वीर पहाड़िया को दर्शक एक रोमांटिक अंदाज में देखने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ आफिया सैयद भी नजर आने वाली हैं। फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का गाना 'कहो तो' रोमांस में डूबा हुआ गाना है। गाने में इश्क में डूबने तड़पने और तलाशने के एहसास को दिखाता है। इस गाने को अरमान मलिक ने गाया है। वहीं इसके लिरिक्स सचिन उर्वतीष ने लिखे हैं। 'कहो तो' को अन्नकुर आर पाठक ने कंपोज किया है। इस गाने में कव्वाली का तारतम्य को अल्तमश फरीदी ने गया है। अमाल ने एक्स पर अपनी वापसी की जानकारी देते हुए एक पोस्ट में लिखा, 'मैं बिल्कुल ठीक हूं और इस बार मैं पूरी तरह से कोशिश करूंगा।

टीवी मसाला

घमासान का ट्रेलर रिलीज, खूंखार डाकू बने नजर आए अरशद

नई दिल्ली। हिमांशु धूलिया निर्देशित क्राइम ड्रामा 'घमासान' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में प्रतीक गांधी और अरशद वारसी आमने-सामने नजर आएंगे। यह सीरीज सत्ता, राजनीति, वफादारी और अस्तित्व के संघर्षों को उजागर करती है, जहां एक दृढ़ निश्चयी पुलिस अधिकारी एक कुख्यात अपराधी से भिड़ता है और नैतिकता के विभिन्न पहलुओं को एक साथ समेटे हुए है। हिमांशु धूलिया द्वारा निर्देशित 'घमासान' का ट्रेलर दर्शकों को सत्ता, संघर्ष और अस्तित्व की कसौटी पर आधारित एक कठोर दुनिया की पहली झलक दिखाता है। हिंदी भाषी क्षेत्र की पृष्ठभूमि पर आधारित, 'घमासान' धूलिया की विशिष्ट कहानी कहने की शैली को दर्शाता है, जो नैतिक रूप से जटिल दुनिया में रची-बसी है, जहां सत्ता और अस्तित्व के लिए अक्सर समझौता की गुंजाइश नहीं रहती। महाराज के रूप में अरशद वारसी और आदित्य के रूप में प्रतीक गांधी के बीच फिल्म में टकराव दिखाया जाएगा जो पारंपरिक पुलिस-बनाम-अपराधी संघर्ष से कहीं आगे बढ़कर सत्ता, वफादारी, राजनीति और अस्तित्व से भरा एक संपूर्ण व्यवस्था पर नियंत्रण के लिए एक उच्च दांव वाली लड़ाई में बदल जाता है। घमासान को एमएएमआई मुंबई फिल्म फेस्टिवल, सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल सहित कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में दिखाया जा चुका है। घमासान 11 सितंबर से जी5 पर प्रसारित होगी।

हर्ष को ट्रोल करने वालों पर बरसी भारती

मुंबई। लो खतरा खतरा खतरा तथा हम तुम और क्वारंटाइन के बाद कॉमेडियन भारती सिंह ने एक बार फिर अपने पति और लेखक हर्ष लिंबाचिया के साथ बतौर प्रोड्यूसर इंडियन शो को बनाया है। सोनी चैनल

पर प्रसारित हो रहे इस शो में दोनों चार साल बाद एक-दूसरे के साथ मेजबानी भी कर रहे हैं। हर्ष के साथ पत्नी से ज्यादा एक अच्छे दोस्त का रिश्ता रखने वाली भारती ने उनके भी, कैरियर तथा काम और बच्चों की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन पर बातचीत की। अक्सर यह देखा जाता है कि अगर पत्नी ज्यादा कमाई या प्रसिद्धि वाली हो तो लोग उसका मजाक उड़ाते हैं। इस पर भारती ने कहा कि फिलहाल तो मैं उनकी कमाई पर बैठी हूं। हमने कभी इस चीज पर ध्यान ही नहीं दिया। मैं पहले भी बोल चुकी हूं कि हम पति-पत्नी कम, उससे कहीं ज्यादा अच्छे दोस्त हैं। दोस्ती में तो कम ज्यादा कमाना या प्रसिद्धि वाली बात होती ही नहीं। रही बात मजाक की तो मैं भी कभी-कभी उनसे मजाक में बोल देती हूं कि मैं तुम्हारी सीनियर हूं।

चुंबक: 5 पड़ोसी, 10 दोस्त और हजार हंगामे की कहानी

मुंबई। क्या होगा जब आपके पड़ोसी ही आपका परिवार बन जाएं? एक ऐसा परिवार जो चुंबक की तरह साथ चिपका ही रहे, फिर चाहे लाख हंगामे हों? आने वाली सीरीज 'चुंबक' कुछ इसी ताने-बाने पर बुनी गई है, जिसका ट्रेलर हाल ही रिलीज किया गया और खूब पसंद किया जा रहा है। यह एक फैमिली कॉमेडी है, जिसमें पांच पड़ोसी, 10 दोस्त और उनके हजार हंगामों की कहानी है। इन हंगामों के बीच फिर ऐसा बम फटता है कि सबकी दुनिया ही पलट जाती है और मजेदार ट्विस्ट देखने को मिलते हैं। 'चुंबक' को 'साराभाई वर्सेस साराभाई' और 'खिचड़ी' जैसे शोज बनाने वाले हैट्स ऑफ प्रोडक्शन ने बनाया है। जेडी मजीठिया और आतिश कपाड़िया ने प्रोड्यूस किया है। आतिश कपाड़िया ही इसके डायरेक्टर हैं। यह सीरीज आज के दौर के भारतीय मोहल्लों पर आधारित है और यह दिखाती है कि जब पड़ोसी परिवार का ही हिस्सा बन जाते हैं, तो क्या होता है। तब घर की कोई छोटी-सी बात भी जल्द ही पूरे मोहल्ले में चर्चा का विषय बन सकती है। नतीजा यह होता है कि लोग बिना मांगे सलाह देने लगते हैं, गप्पें लगाते हैं, जश्न मनाते हैं और मदद के लिए हमेशा कोई न कोई तैयार रहता है। 'चुंबक' के ट्रेलर में कई तरह के मजेदार किरदारों को दिखाया गया है, जिनकी अपनी-अपनी अजीब आदतें हैं, रिश्ते हैं और कमियां भी हैं। एक तरफ मिकी और ट्विंकल जैसा रोमांटिक कपल है, जो अपने ही सपनों की दुनिया में खोया हुआ लगता है, दूसरी ओर आदित्य और प्रियंका खन्ना हैं, जिनका रिश्ता शांत और सुलझा हुआ लगता है, पर असल में हालात बिल्कुल भी शांत नहीं हैं। फिर तारापोरवाला परिवार है, जिसमें मम्मा गुलशन, फ्रेडी और डुबोक्सी हैं।

सितंबर में आएंगी 14 फिल्में, बॉक्स ऑफिस पर होगा इन बड़ी बजट की मूवीज का क्लैश

नई दिल्ली। सितंबर में एक या दो नहीं, 14 फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। दिलचस्प बात ये है कि बड़ी-बड़ी फिल्मों का आपस में क्लैश होने वाला है। सितंबर 2026 में सिनेमाघरों में फिल्मों की भरमार देखने को मिलने वाली है। इस महीने अक्षय कुमार, सिद्धार्थ मल्होत्रा, नानी, मनोज बाजपेयी और करीना कपूर खान जैसे सितारे बड़े पर्दे पर अलग-अलग अंदाज में नजर आएंगे। क्राइम थ्रिलर, एक्शन, कॉमेडी, फैंटेसी और पौराणिक फिल्मों के साथ हॉलीवुड की चर्चित रिलीज भी दर्शकों का मनोरंजन करेंगी। 4 सितंबर- तीन फिल्मों का क्लैश।

मिर्जापुर - द मूवी : यह 'मिर्जापुर' की वेब सीरीज की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने वाली फीचर फिल्म है। इसमें पंकज त्रिपाठी और अली फजल हैं। वहीं मुन्ना भैया के रूप में दिव्येंदु और कई अन्य कलाकारों की वापसी हो रही है। 31 अगस्त से इसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है।

हाउ टू रॉब ए बैंक : डेविड लीच के डायरेक्शन में तैयार हुई यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इसमें निकोलस होल्ट हैं। यह बैंक डकैतों के एक ऐसे गिरोह की कहानी है जो अपनी डकैती को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीम करते हैं।

11 सितंबर - अक्षय की फिल्म होगी रिलीज

जॉली बीमा योजना : अभिषेक डोगरा के निर्देशन में बनी यह एक हिंदी क्राइम-कॉमेडी फिल्म है जो गलतफहमियों और जुड़वा किरदारों पर आधारित है। इसमें अरशद वारसी डबल रोल में हैं, साथ ही संजीदा शेख और विजय राज नजर आएंगे।

लास्ट मैन इन टावर

अरविंद अडिगा के मशहूर उपन्यास पर आधारित इस ड्रामा फिल्म में मनोज बाजपेयी 'मास्टरजी' के किरदार में हैं, जो एक सेवानिवृत्त शिक्षक हैं और एक क्रूर रियल एस्टेट डेवलपर के खिलाफ अकेले खड़े होते हैं। इसमें शोभा इंदानी और दिव्या दत्ता भी हैं।

हैवान : इस फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं। यह एक सस्पेंस क्राइम-थ्रिलर फिल्म है। इसमें अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन के रूप में हैं, जिनके साथ सैफ अली खान, बोमन ईरानी और सैयामी खेर नजर आएंगी।

18 सितंबर - 5 फिल्में देंगी दस्तक

दायरा : मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित यह एक इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर है, जिसमें करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिका में हैं।

रक्षा बंधन: अक्षय को याद आई नोकझोंक

प्रिया हुईं इमोशनल, प्रीति, जिनिलया, रिद्धिमा ने लुटाया दुलार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भाई और बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और एक-दूसरे की रक्षा के अटूट संकल्प का त्योहार रक्षा बंधन। शुक्रवार, 28 अगस्त को देशभर में बहनों अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी। सोशल मीडिया पर आम जनता से लेकर सेलिब्रिटीज तक त्योहार के उमंग और उत्साह की झलक दिख रहे हैं। किसी को अपना बचपन याद आ रहा है, तो कोई भावुक हो रहा है। कटरीना कैफ ने अपने भाई के साथ त्योहार मनाने की तस्वीरें शेयर की हैं, वहीं प्रीति जिंटा को भी पूजा की थाल के साथ बचपन की शरारतें याद आ गईं। रिद्धिमा कपूर साहनी ने भाई रणबीर कपूर और मां नीतू कपूर के साथ पुरानी तस्वीर शेयर की, जबकि प्रिया दत्त ने इस खास मौके पर संजय दत्त के साथ एक बेहद पुरानी तस्वीर शेयर कर इमोशनल पोस्ट लिखा है। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने भी शुक्रवार को बहन अलका भाटिया के साथ एक तस्वीरें शेयर की। राखी की बधाई देते हुए उन्होंने लिखा, रिश्ता वो, जिसमें नोकझोंक भी है, प्यार भी है और हर मुश्किल में साथ भी। हर भाई-बहन को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं।

रिद्धिमा ने शेयर की रणबीर संग बचपन की फोटो

रिद्धिमा कपूर साहनी ने भाई रणबीर कपूर और कजिन्स आदर जैन, अरमान जैन के साथ इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें रणबीर कपूर वाली तस्वीर बेहद प्यारी है। उन्होंने किसी नई तस्वीर की बजाय, बचपन की फोटो दिखाई है, जिसमें रणबीर और रिद्धिमा अपनी मां नीतू कपूर के साथ स्कूल ड्रेस में नजर आ रहे हैं। बचपन की यादों से लेकर जिंदगी के हर मोड़ तक, कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं। वो प्यार, वो हंसी-मजाक, वो बहस, वो कभी न खत्म होने वाली कहानियां, वो बिना कहे एक-दूसरे को समझ लेना... हम हमेशा एक-दूसरे के साथ रहेंगे।

शरारतें, खुशियां और प्यार

इसी तरह प्रीति जिंटा ने अपने दोनों भाइयों मनीष और दीपांकर के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने तीन तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आप सभी को रक्षाबंधन की बधाई जो आज इसे मना रहे हैं, और मेरे उन दोनों साथियों को भी, जिनके साथ मैंने शरारतें कीं, खुशियां बांटीं और जिंदगी के हर पल को जिया। आप दोनों से बहुत-बहुत प्यार।'

जिनिलिया ने 'निबु-पिबु' भाई को बांधी राखी

एक्ट्रेस जिनिलिया डिसूजा ने इस खास मौके पर भाई निगेल डिसूजा के साथ रक्षा बंधन मनाते हुए वीडियो शेयर किया है। वह उन्हें तिलक लगा रही हैं, आरती उतार रही हैं। जिनिलिया लिखती हैं, 'हर साल होने वाली लड़ाई... बड़ी बहन को ही हमेशा तोहफे देने और लाड़-प्यार करने वाला होना चाहिए, उल्टा नहीं हो सकता - इसकी इजाजत नहीं है। लेकिन इस बार निबु-पिबु ने 'छोटी सी तौर' की बात की और मैं पूरी तरह हार गई। रक्षाबंधन की बधाई, निबु-पिबु। मैं हमेशा तुम्हारे साथ खड़ी रहूंगी।

सनातन धर्म के प्रचार के लिए रामेश्वर धाम यात्रा हुयी रवाना

झांसी स्टेशन पर तीर्थ यात्रियों का भागवत सत्संग मंडल के पदाधिकारियों ने किया सम्मान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जगदगुरु आश्रम बमनुआ से रामेश्वर धाम की धर्म तीर्थ यात्रा धर्मनगरी झांसी से आज पूज्य वेदज्ञ आचार्य श्री अंश जी महाराज पीठाधीश्वर बमनुआ धाम के सानिध्य में 51 भक्तों का भक्त मंडल वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से रवाना हुआ जिसमें रामेश्वर धाम पहुंचकर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा एवं दिव्य सत्संग का आयोजन होगा और जो सभी भक्त गंगोत्री धाम से गंगाजल लाए है वह सभी भगवान रामेश्वर ज्योर्तिलिंग पर जलाभिषेक करेंगे साथ ही भगवान शिव का विधि विधान से पूजन अर्चन करेंगे व पूज्य आचार्य श्री अंश जी महाराज ने कहा कि यह यात्रा सनातन धर्म के प्रचार के लिए निकली है जिससे सनातन धर्म का प्रचार भारत देश ही नहीं पूरे विश्व में हो और वहां पर श्रीमद् भागवत कथा भक्तों को श्रवण कराकर एवं दिव्य सत्संग के माध्यम से सनातन धर्म के प्रचार के लिए विशेष संदेश भी देंगे इस यात्रा में जो भक्तगण गए

है उनमें मुख्य रूप से पं.मैथली शरण मुदगिल, रूपम मुदगिल, दिलीप मुदगिल, शकुन्तला मुदगिल, शिवकुमार तिवारी, सुनीता देवी, महेश मुदगिल, राजेश कुमार समेत 51 भक्तों का भक्त मंडल को भागवत सत्संग मंडल के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर पट्टिका उड़ाकर सम्मानित किया तथा इस अवसर पर भागवत सत्संग मंडल की ओर से पं.सियारामशरण चतुर्वेदी, प्रणय मुदगिल, प्रशांत मुदगिल, संदीप साहू, मनोज साहू, सोनू राय, आशीष तिवारी डिप्टी मेयर/सभासद, सत्यम रामजी यादव, नरेश मिश्रा, दीपचन्द्र, विश्वनाथ मिश्रा, चंद्रमोहन तिवारी सहित आदि लोगों ने तीर्थ यात्रियों को सम्मानित किया।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 121वीं जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने अर्पित की भावभीनी पुष्पांजलि

-हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर देश मना रहा राष्ट्रीय खेल दिवस

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। भारतीय हॉकी को दुनिया के शीर्ष पर पहुंचाने वाले महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद (दद्दा) की 121वीं जयंती के अवसर पर आज पूरा देश राष्ट्रीय खेल दिवस मना रहा है। इस पावन अवसर पर मेजर ध्यानचंद के चरणों में श्रद्धासुमन एवं भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर दद्दा ध्यानचंद म्यूजियम में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद जी की गेंद पर अद्भुत कलाकारी और जादुई स्टिक वर्क के कारण ही पूरी दुनिया उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहती है। उन्होंने भारतीय खेल इतिहास में दद्दा के स्वर्णिम योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने ओलंपिक में स्वर्णिम हैट्रिक लगाई थी। भारत ने लगातार तीन ओलंपिक—1928 (एम्स्टर्डम), 1932 (लॉस एंजेलिस) और 1936 (बर्लिन) में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व पटल पर तिरंगा लहराया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अपने 1926 से 1948 तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में 400 से अधिक गोल करने वाले दद्दा की प्रतिभा का लोहा पूरी दुनिया मानती थी। 1936 के बर्लिन ओलंपिक फाइनल में भारत ने जर्मनी को 8-1 से शिकस्त दी थी। उनका खेल ऐसा जादुई था कि हॉलैंड में मैच के दौरान चुंबक या गोंद के शक में उनकी हॉकी स्टिक तक तुड़वाकर जांच की गई थी। वहीं, बर्लिन ओलंपिक में एडॉल्फ हिटलर ने उनके खेल से प्रभावित होकर जर्मन सेना में बड़े पद का प्रस्ताव दिया था, जिसे दद्दा ने देशप्रेम की मिसाल पेश करते हुए विनम्रता से ठुकरा दिया था। सेना में ड्यूटी के बाद रात में चांदनी की रोशनी में अभ्यास करने के कारण ही उनका नाम 'ध्यान सिंह' से 'ध्यानचंद' पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि दद्दा के अतुलनीय योगदान को सम्मानित करते हुए देश के सर्वोच्च खेल सम्मान का नाम 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' रखा गया है तथा वर्ष 1956 में उन्हें 'पद्म भूषण' से भी अलंकृत किया गया था। दद्दा के इस करिश्मे से पूरी दुनिया मै झांसी का नाम हुआ और आज हम सभी झांसी वासी गौरान्वित महसूस करते है , उनके यादगार इस हीरोज़ ग्राउंड मै हर युवा खिलाड़ी को मेजर ध्यानचंद जी से प्रेरणा लेकर अपने भविष्य को निखारना चाहिए, इस गरिमामयी अवसर प्रमुख रूप से सुनील भदौरिया, नवनीत दीक्षित, आर. एन. उपाध्याय, मुकेश यादव, मंडल उपाध्यक्ष महेश कनौजिया, मंडल मंत्री पुष्पेंद्र, संतोष दुबे, पार्षद लखन कुशवाहा, नवल शर्मा, पार्षद नंद किशोर नीलू, धीरज गोस्वामी, अनुराग अहिरवार सहित कई गणमान्य नागरिक व वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

जनकपुर बना केशवपुर धाम श्रीसीताराम विवाह में जमकर झूमे श्रोता

-कृषि एवं ऋषि संस्कृति एक दूसरे की पूरक हैं:जगतगुरु रामस्वरूपाचार्य

-ओज, श्रद्धा और समर्पण के भाव से सजी सांस्कृतिक संध्या

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रजत जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में चल रही संगीतमय श्रीरामकथा के पंचम दिवस केशवपुर धाम का भव्य और दिव्य कथा पांडाल उस समय साक्षात मिथिला नगरी जनकपुर बन बन जब कथा प्रसंग में श्रीसीताराम विवाह का पावन ? प्रसंग आया। अखिल ब्रह्माण्ड नायक प्रभु राम ने जैसे ही धनुष भंग किया वैसे ही जगत जननी किशोरी जी के साथ उनका पाणिग्रहण हो गया। मंच से बजते बधाई गीत' झुक जईयो तनिक रघुवीर ललली मोरी छोटी सी .' आदि के बीच श्रद्धालु श्रोता जमकर झूमे और माता सुनयना और महाराज जनक की भूमिका निभाते हुए श्रीमती साधना बृजमोहन मिश्रा एवं श्रीमती शालिनी एकांश मिश्रा सहित सभी यजमानों ने जमकर पुष्प वर्षा कर उपहार लुटाते हुए श्रीराम सीता का विवाह महोत्सव मनाया एवं श्रद्धालु श्रोताओं ने जगतगुरु की चरण रुपी पादुकाओं की पांव टकराई कर पुण्य लाभ अर्जित किया।चित्रकूटधाम से पधारे श्रीराम कथा के श्रेष्ठ वक्ता कामदगिरि पीठाधीश्वर जगतगुरु रामस्वरुपाचार्य ने कहा कि कृषि और ऋषि संस्कृति एक दूसरे की पूरक हैं। अयोध्या में प्रभु राम यज्ञ में अग्नि से आये और मिथिला में महाराज जनक और सुनयना के हल चलाने अर्थात कृषि संस्कृति से सीताजी प्रगट हुई हैं।जीव जब जगत में आता है तो दुख लेकर रोते हुए आता है और चिंता लेकर जाता है। लेकिन परमात्मा जब जगत में आता है तो सुख का

समुद्र लेकर आता है और आनंद देकर जाता है।गोस्वामी तुलसीदास जी मानस में लिखते हैं' सो सुख धाम राम असनामा,आखिर लोक दायक विश्रामा!'

उन्होंने अपने कोकिल कंठ से मानस मंदाकिनी का पावन प्रवाह कराते हुए कहा कि जिस पिता के घर बेटी जन्म लेती है उसे बेटी के विवाह रुपी यज्ञ करने का मौका मिलता है क्योंकि कन्यादान ही महादान है।कथा के प्रारंभ में पं. बृजमोहन मिश्रा (गुरुजी)ने चरण पूजन, पीठ पूजन एवं ग्रंथ का पूजन कर मानस की आरती उतारी एवं कथा व्यास का माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।मंच का संचालन पं अनूप शास्त्री ने किया। प्रात: कालीन वेला में पंचकुंडीय श्रीसीताराम महायज्ञ में यज्ञाचार्य हेमंत कौशिक हरपालपुर के आचार्यत्व में विश्व-कल्याण की कामना से श्रीमती शालिनी एकांश मिश्रा, उर्मिला महेश कुमार साहू, प्रियंका सचिन साहू,सरिता अनूप सहगल, साधना आमोद किलपन, प्रगति अमित गंधी, उमा विनोद साहू बालाजी, मोहिनी सत्येंद्र सेन ग्वालियर, मधु राघवेन्द्र सेन खनियांधाना, मनीषा राहुल सोनी,खुशबू नितिन साहू,रिंकी राजू साहू, स्वाति प्रिंस अग्रवाल, जयंती राजकुमार साहू,प्रियंका राहुल शर्मा,पुष्पा दयाशंकर,राधा आशीष यादव, सीमा प्रदीप अग्रवाल, कल्पना पुष्पेन्द्र सेन एवं रीना अजय अग्रवाल, श्रीमती साधना मिश्रा सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने यज्ञ वेदिका में आहुतियां देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। तथा पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर विधि-विधान से उनका पूजन अर्चन कर आरती उतारी। इधर मंदिर परिसर में श्री रामचरितमानस, सीताराम संकीर्तन एवं अखंड श्री हनुमान चालीसा का पाठ अनवरत जारी रहा।आयोजन समिति के संरक्षक रामस्वरूप साहू एवं मेला प्रभारी राजकुमार साहू ने बताया कि साधु संतों एवं यजमानों को फलाहार एवं आम जनमानस को भण्डारा प्रसादी प्रात:11बजे से रात्रि 11बजे तक अनवरत जारी है। इस मौके पर, राम शर्मा, अनुराग शर्मा थरेट, संजय उपाध्याय, गौरव ? शर्मा ग्वालियर,पूनम दीपक मिश्रा भोपाल, रीतेश त्रिपाठी डबरा,सुरेशचंद्र शुक्ला, श्रीमती शशि प्रदीप शुक्ला, , राघव ? किलपन, संजय कंचन, सनी साहू, भगवानदास सैन, मनोज मिश्रा, मानवेन्द्र तोमर,विजय शंकर त्रिपाठी दतिया, जैमिनी यादव आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।अंत में बृजेश नारायण अगरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। सायंकालीन वेला में रात्रि 8 बजे से आयोजित ख्याल गायन एवं लोक सांस्कृतिक संध्या में इरशाद मुहम्मद समथर एंड पार्टी के कलाकारों ने देर रात्रि तक श्रद्धालु श्रोताओं को ख्याल गायन कर मंत्रमुग्ध किया। इरशाद मुहम्मद ने अपनी ओजपूर्ण प्रस्तुति देते हुए महारानी लक्ष्मीबाई द्वारा अंग्रेजी शासकों के खिलाफ की गयी क्रांति की याद ताजा कर दी उन्होंने गाया 'गोरन कौ मौं करिया करदव अपनी झांसी की रानी ने पानी में आग लगा दई थी बुंदेलखंड के पानी ने ' !सम्पतराम जोशी मथुरा ने गाया 'बांसुरी बिहारी कान्हा ऐसी मन भायी छोड़कर घर-बार मैं अकेली चली आई। 'कमलेश शर्मा करौली ने हरदौल चरित्र 'भौजी का लगाया पाप आपने जग में अपयश छीना 'गाया। इसी प्रकार अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को देर रात्रि तक झूमने पर मजबूर कर ? दिया।

सेंट फ्रांसिस कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, झाँसी में राष्ट्रीय खेल दिवस पर मैराथन दौड़ का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । सेंट फ्रांसिस कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, झाँसी में मेजर ध्यानचंद जी की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस पर मैराथन रन फोर हेल्थ ' का आयोजन किया गया !कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यालय की छात्राओं ने दद्दा ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं फूल अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दीद्ध तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर मर्लिन एवं प्रबंधक महोदया सिस्टर डिगना ने झंडा दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना किया। मैराथन के प्रारंभ होते ही छात्राओं में विशेष उत्साह और जोश देखने को मिला। छात्राओं ने पूरे अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना के साथ दौड़ में सहभागिता की।

इस अवसर पर कक्षा 8 से 12वीं तक की छात्राओं के लिए विद्यालय के स्टेडियम में लगभग 6 किलोमीटर की मैराथन दौड़ आयोजित की गई। छात्राओं ने पूरे जोश और दृढ़ संकल्प के साथ दौड़ पूरी की तथा अपनी शारीरिक क्षमता एवं सहनशक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर मर्लिन ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नियमित रूप से खेलों में भाग लेने से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, धैर्य एवं सहयोग की भावना का भी विकास होता है। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम छात्राओं के लिए ऊर्जा, उत्साह और प्रेरणा से भरपूर रहा।

पढ़ाई के साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम' - कुलपति

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का आगाज

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर शनिवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खेल विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। कुलपति ने स्वयं बैडमिंटन खेलकर राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उनके खेल में सहभागिता करने से विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय कर्मचारियों में भी उत्साह देखने को मिला। राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत 29 अगस्त से 05 सितंबर 2026 तक विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें बैडमिंटन, ट्रैक इवेंट, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल तथा रस्साकशी (टग ऑफ वार) सहित विभिन्न खेल शामिल हैं। ट्रैक एवं फील्ड इवेंट में मैराथन के साथ 100 मीटर और 200 मीटर दौड़, जबकि फील्ड स्पर्धाओं में शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, हाई जंप और लॉन्ग जंप आयोजित किए जाएंगे। बैडमिंटन में सिंगल्स, डबल्स एवं मिक्स्ड डबल्स मुकाबले होंगे। क्रिकेट प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय स्टाफ के बीच टीचिंग बनाम नॉन-टीचिंग तथा विद्यार्थियों के बीच कृषि विश्वविद्यालय बनाम उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के मुकाबले आकर्षण का केंद्र रहेंगे।वॉलीबॉल प्रतियोगिता 1 से 3 सितंबर, टेबल टेनिस एवं कैरम प्रतियोगिताएं 1 से 2 सितंबर, फुटबॉल प्रतियोगिता 2 से 4 सितंबर तथा शतरंज प्रतियोगिता 3 सितंबर को आयोजित की जाएगी।प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।विश्वविद्यालय खेल समिति का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय खेल दिवस के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी खेल प्रतिभा को निखारने और विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, खेल आयोजन समिति के सदस्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जैन मंदिरों में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

ललितपुर। नगर के विभिन्न जैन मंदिरों में रक्षाबंधन का पावन पर्व धार्मिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड ? लगी। मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान, अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान की आराधना कर परिवार और समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। सुबह से ही श्री 1008 अभिनंदननाथजी मंदिर, श्री पार्श्वनाथ अटा मंदिर नई बस्ती, आदिनाथ मंदिर सिविल लाइन, आदिनाथ मंदिर, नया जैन मंदिर, बड़ा जैन मंदिर एवं अन्य दिगंबर जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। भगवान श्री 1008 महावीर स्वामी, अभिनंदननाथ जी एवं पार्श्वनाथ जी का विधि-विधान से विशेष अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन किया गया। धार्मिक आयोजनों के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहे। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को वरिष्ठ प्रबंधक एवं पूर्व पार्षद मोदी पंकज जैन द्वारा मंदिर की राखी बांधी गई। श्रद्धालुओं ने रक्षा सूत्र धारण कर सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की। इस दौरान लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। जैन समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का त्योहार नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे की रक्षा के संकल्प का पर्व भी है। जैन धर्म में रक्षाबंधन का विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है। इस अवसर पर मुनिराजों की रक्षा से जुड़ी 700 मुनियों के तप की प्रेरणादायी कथा का स्मरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि पर्व हमें संयम, त्याग, अहिंसा, आपसी प्रेम और सद्भाव का संदेश देता है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता और संस्कारों को मजबूत करने का भी प्रयास किया जाता है। कार्यक्रम में सकल दिगंबर जैन समाज से डा.अक्षय जैन, आकाश जैन, सनत जैन, अनिल अंचल, वरिष्ठ प्रबंधक एवं पूर्व पार्षद मोदी पंकज जैन, अशोक जैन, नरेन्द्र जैन, सुशील जैन, प्रभात सर्राफ, सतीश नजा, आनंद जैन सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा मंडल एवं महिला मंडल की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

मध्यस्थता से तीन साल पुराने वैवाहिक विवाद का हुआ सौहार्दपूर्ण निस्तारण

दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से स्वीकार किया समाधान

ललितपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ एवं प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यादवेन्द्र सिंह के निदेर्शानुसार जिले में लंबित विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निस्तारित कराने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवप्रिय सारस्वत की अध्यक्षता में मध्यस्थता के माध्यम से करीब तीन वर्ष पुराने वैवाहिक विवाद का सफलतापूर्वक निस्तारण कराया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार मध्यस्थ राजकुमार जैन देवरान के अथक प्रयासों से वाद संख्या 276/2025, नेहा बनाम अभय श्रीवास्तव, धारा 13 हिंदू विवाह अधिनियम के अंतर्गत लंबित वैवाहिक वाद का मध्यस्थता के माध्यम से सफल निस्तारण किया गया। उक्त मामला लगभग तीन वर्षों से न्यायालय में लंबित था। मध्यस्थता की प्रक्रिया के दौरान मध्यस्थ राजकुमार जैन देवरान ने दोनों पक्षों से निरंतर संवाद स्थापित किया। दोनों पक्षों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए उनके बीच उत्पन्न मतभेदों को दूर करने तथा आपसी समझ और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने का प्रयास किया गया। लगातार संवाद के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के पक्ष को समझा और आपसी सहमति से विवाद का समाधान स्वीकार किया। मध्यस्थता के माध्यम से वाद के निस्तारण से दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद का समाधान होने के साथ ही न्यायालय में लंबित मामले का भी शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण संभव हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मध्यस्थ राजकुमार जैन देवरान के प्रयासों की सराहना की गई। कहा गया कि मध्यस्थता विवादों के त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम है। इसके जरिए पक्षकारों के समय और धन की बचत होती है तथा आपसी संबंधों को बनाए रखने में भी सहायता मिलती है।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718